पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

Issue#9 November 2011

अंक#९ नवंबर, २०११

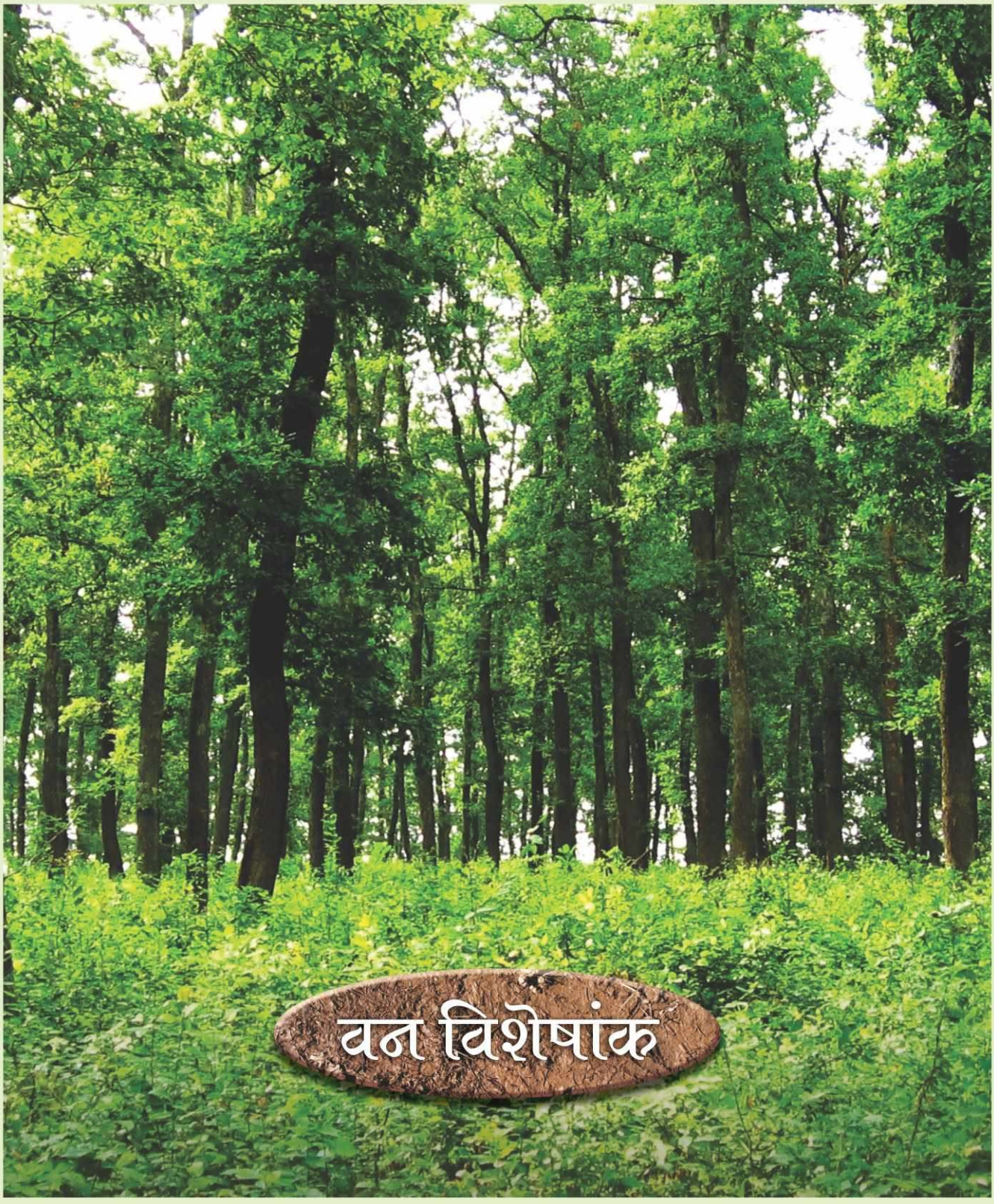

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

INDEX | विषय सूची

VAN VISHESHANK

President's Message	03	अध्यक्ष का संदेश	०३
Successful Experiment of Unusable Land	04 - 06	अनुपयोगी भूमि के सफल प्रयोग	०४–०६
Know About Your Plant	07	अपने पौधे के बारे में जानो	०७
Celebrating 7th Founder's Day	08 - 10	पर्यावरण मित्र का ७ वाँ स्थापना दिवस समारोह	०८ – १०

DREAM RUN

Run for the Environment - Mumbai Marathon	11 - 12	पर्यावरण की खातिर दौड़े – मुंबई मैराथॉन	११ – १२
Hyderabad Heritage Marathon	13	हैदराबाद हेरिटेज मैराथॉन	१३

KRISHI MELA

Farmer's Market - Mumbai	14	फार्मर्स मार्केट – मुंबई	१४
Organization of Agro Fair - Shikohabad	15	कृषि मेले का आयोजन –शिकोहाबाद	१५
Organic Farming all the way	16	जैविक खेती, खाद, अनाज, स्वाद का प्रदर्शन	१६
Letters appreciating organization of exhibition on the eve of Gandhiji's Birth Anniversary	17	गांधी जयन्ती के अवसर पर प्रदर्शनी के लगने पर प्रतिक्रियाऐं	१७

VISHESH DIVAS

World Anti- Tobacco Day - Mumbai	18 - 21	विश्व तम्बाकू–निषेध दिवस – मुंबई	१८ – २१
World Anti- Tobacco Day - Shikohabad	21 - 25	विश्व तम्बाकू–निषेध दिवस – शिकोहाबाद	२१ – २५
Earth Day / Holi	26	पृथ्वी दिवस / होली	२६
World Water Day	27	विश्व जल दिवस	२७
World Environment Day	28	विश्व पर्यावरण दिवस	२८
Bajaj PUC Day	29	बजाज पीयूसी दिवस	२९
Bajaj Band of Solidarity Contest	30	बजाज बैंड ऑफ़ सॉलिडेरिटी कॉन्टेस्ट	३०
Obituary	31	श्रध्दांजलि	३१

PARYAVARAN MITRA

Paryavaran Mitra - Activities, Awareness Campaigns & Contacts	32	पर्यावरण मित्र – गतिविधियां, जागरूकता अभियान और सम्पर्क	३२

Control Noise Pollution

ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण

Control Water Pollution

जल प्रदूषण पर नियंत्रण

Control Air Pollution

वायु प्रदूषण पर नियंत्रण

Control Land Pollution

भूमि प्रदूषण पर नियंत्रण

वन विशेषांक

President's Address

अध्यक्ष का वक्तव्य

Dear Paryavaran Mitra,

The year 2011 was celebrated by the United Nations Organisation as the International Year for Forest Conservation. Paryavaran Mitra, focussing on the importance of smaller forests, directed its attention on conservation and growth of small forests. You may have its glimpse on the following pages

The Indian culture gives us a message:

''दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रद: ।
दशह्रदसम : पुत्रो दशपुत्रसमो दुम: ।

This means, a water-pool is equal to ten wells, ten water-pools are equal to one lake, and one lake is equal to one son – one single tree equals ten sons.

Since ancient times, our elders have exhorted the significance of forests. But our greed and corruption have led to the depletion of our real treasures. In the absence of forests, we have no choice but to bear the brunt of innumerable natural adversities and the severity of environmental pollution. This question frequently arises -

"If there won't be forests,

How shall there be delight."

Under such circumstances, there is one recourse. Stop cutting down tress! Oppose those who do so! Raise your voice against this heinous act! Instead, plant trees and protect them for the future generations.

Kiran Bajaj

प्रिय पर्यावरण मित्र

वर्ष २०११ संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वन संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया गया। पर्यावरण मित्र में वनों की विशेषता को ध्यान में रखकर लघु वनों के संरक्षण एवं विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। उसकी एक झलक आपको अगले पृष्ठों में पर देखने को मिलेगी।

भारतीय संस्कृति का संदेश है :

''दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रद: ।
दशह्रदसम : पुत्रो दशपुत्रसमो दुम: ।''

अर्थात दस कुएँ के समान एक बावड़ी, दस बावड़ियों के समान एक सरोवर, दस सरोवरों के समान एक संतान और दस संतानों के समान एक वृक्ष होता है।

प्राचीन काल से ही हमारे पूर्वजों ने वनों की महत्ता का संदेश दिया है। दु:ख इस बात का है कि आर्थिक लोलुपता और भ्रष्टाचार की वजह से हमारी संस्कृति और प्रकृति का क्षय तीव्र गति से हो रहा है। बिना वनों के असंख्य प्राकृतिक, जलवायु आपदा व पर्यावरण प्रदूषण की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बार–बार यह प्रश्न उठता है–

''जब न होंगे जंगल, तो कैसे होगा मंगल''

ऐसी स्थिति में एक ही उपाय है कि हम अपने शहर, जंगल, गांव के हरे पेड़ों को न कटने दें और उसका कड़ा विरोध करें। यथाशक्ति वृक्षारोपण करें। वृक्षों के महत्व को समझ कर, समझाकर वर्तमान एवं भावी पीढ़ी की रक्षा करें।

किरण बजाज

In reality, man's greed is the greatest pollutant. Greed stops man from sharing with others; it also obstructs the preservation of ecology.

- Sri Sri Ravishankar

Successful Experiment of Unusable Land

Since 2003, Paryavaran Mitra has initiated environmental protection in the Hind Lamps factory located at Shikohabad, Uttar Pradesh. It was decided to turn unusable and unoccupied land into a green haven. Paryavaran Mitra had to make arrangements for basic resources such as land, electricity, water, security and internal administration. With the cooperation of workers of the institution and volunteers of Paryavaran Mitra, this challenge was accepted.

The initial work involved cleaning, weeding, digging small plots of land. Soon Project 'Small Forest' was born. Under this, task of tree plantation was carried out on a larger scale. Different species of plants, flower plants, vines etc were planted, which are known to reduce land erosion, help and and water conservation as well as provide wood. The few forests that were born were Om Van, Kamalnayan Kanan, Chandi Prasad Udyan, Jankidevi Amla Vatika, Purushottam Lalaa Vipin, Madalasa Jivan Kutir, Major Sandip Udyan, Radha Nikunj, Sunder Van and Harit Pattika. These contain 5500 plants and 35 species. While Peepal, Bel, Banyan, Amla and Ashoka trees are grown in one forest, the others have Karanj, Shisham, Mango, Tamarind, Sagwan, Moulshree, Jamun, Guava, Chitvan, Amaltash, Haran, Nahena, Palm, Lemon, Jackfruit, Goolar, Bottle Brush, Silver Oak, Haarsingar, Gulmohar, Chandani, Gudhal, Basil, Mahua, Ritha...the list is endless. Paryavaran Mitra has carried out successful experiments through forestry management on three acre of Hind Lamps Land (Kosi, Mathura) and 2 acres of Bajaj Electricals land in Ranjangaon.

The institution has established its Forest Nursery to enable effective tree plantation around the villages,

Madalasa Jivan Kutir.

मदालसा जीवन कुटीर।

Amla Vatika.

आँवला वाटिका।

अनुपयोगी भूमि के सफल प्रयोग

पर्यावरण मित्र ने वर्ष २००३–०४ से उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद स्थित हिन्द लैम्प्स फैक्टरी में अपना पर्यावरण रक्षण का कार्य प्रारम्भ किया था।

फैक्टरी परिसर के अनुपयोगी, खाली, उजाड़ एवं कचरा युक्त भूमि का चिन्हीकरण कर कारखाने के आधारभूत संसाधनों (जैसे–भूमि, बिजली, पानी, सुरक्षा, आन्तरिक प्रशासन इत्यादि) तथा संस्था के कर्मचारियों एवं पर्यावरण मित्र के विशिष्ट स्वयंसेवकों के सामूहिक सहयोग से भूमि को हरित एवं उपयोगी करने का ठाना।

सबसे पहले परिसर स्थित छोटे–छोटे भूखण्डों की सफाई, निराई, गुड़ाई करके 'लघु वन' बनाने का काम शुरु किया, जिसमें वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। विभिन्न देशी प्रजातियों के बड़े पौधे, फूल के पौधे, लतायें आदि लगाये गये, जो कि ऑक्सीजन देने वाले, भूमि प्रदूषण कम करने वाले, भूमि तथा जलसंरक्षण करने वाले, वर्षा कराने वाले, लकड़ी देने वाले हैं।

संस्था ने अपने उद्देश्यों (वायु, जल, ध्वनि और भूमि के प्रदूषण को रोकने) के अनुरूप इस कार्य को और आगे बढ़ाते हुये तथा वनों के अस्तित्व को समझते हुये कारखाना परिसर के लगभग ११ एकड़ भूमि पर अलग–अलग जगह पर ९ लघु वन – ओम वन, कमलनयन कानन, चण्डी प्रसाद उद्यान, जानकी देवी आँवला वाटिका, पुरुषोत्तम लला विपिन, मदालसा जीवन कुटीर, मेजर संदीप उद्यान, राधा निकुंज, सुन्दर वन एवं हरित पट्टिका निर्मित किया जिसमें ५५०० पौधे तथा ३५ प्रजातियां हैं।

जहां एक तरफ इन वनों में पंचवटी (पीपल, बेल, बरगद, आँवला और अशोक) हैं, वहीं दूसरी तरफ करंज, शीशम, आम, इमली, सागवान, मौलश्री, जामुन, अमरूद, चितवन, अमलताश, हरण, बहेणा, पाम, नीबू, कटहल, गूलर, बोतल ब्रश, सिल्वर ओक, हरसिंगार, गुलमोहर, चांदनी, गुड़हल, तुलसी, महुआ, रीठा इत्यादि हैं। इस प्रयोग का विस्तार करते हुये पर्यावरण मित्र ने हिन्द लैम्प्स, कोसी (कोसी, मथुरा) में लगभग ३ एकड़ भूमि पर वन प्रबन्धन तथा बजाज इलेक्ट्रिकल्स के रंजनगाँव के लगभग

schools, hospitals, temples, ashrams. Here Arjun, Mango, Guava, Kher, Karanj, Kachnar, Ashok, Jackfruit etc plants are being cultivated. 8000 plants have been cultivated so far.

With the expansion of these small forests 'Forestry and Organic Agriculture' too are being adopted and the challenge of organic farming is being taken up. Organic farming will help to keep prolific strength, underground water pure and check land free of pollution and chemicals.

So within a span of seven to eight years, an amazing amount of work was done in more than 50 villages and schools around Shikohabad.

Along with the growth of the forests, number of different species of birds, butterflies, small insects also increased and this provided for seasonal migration and nestling of birds and insects. The temperature of the complex got lowered by two degree Celsius. Paryavaran Mitra trusts and firmly believes that, if public and private establishments carry out small but successful experiments on their unusable lands, the threat of environment pollution can be a story of the past.

What made this happen? What converted a waste land into a paradise? Positive thinking, contemplation, and dedication towards nature and the country. Paryavaran Mitra appeals to the governmental, non-governmental and small and large private organisations to - "successfully contribute in

Tree plantation by the women folks of the colony.

कॉलौनी की महिलाओं द्वारा वृक्षारोपण।

Tree plantation by the women folks of the colony.

कॉलौनी की महिलाओं द्वारा वृक्षारोपण।

Tree plantation by children.

बच्चों द्वारा वृक्षारोपण।

२ एकड़ भूमि पर भी ऐसे सफल प्रयोग किये।

वृक्षारोपण अभियान को बढ़ाने तथा लघु वनों के विस्तार के लिए संस्था ने अपनी वन पौधशाला निर्मित की, जिससे गांव एवं विद्यालय, अस्पताल, मंदिर, आश्रम आदि के आस – पास वृक्षारोपण आसानी से कराया जा सके। जिसमें अर्जुन, आम, अमरुद, खैर, करंज, कचनार, अशोक, कटहल इत्यादि के पौधे तैयार किया जा रहे हैं। अब तक ८००० पौध तैयार किये जा चुके हैं।

इन लघु वनों के विस्तार के साथ–साथ 'वानिकी एवं जैविक कृषि' को अपनाया तथा कुछ भूखण्ड में जैविक कृषि का बीड़ा उठाया। जैविक कृषि से भूमि की उर्वरा शक्ति, भू जल को शुद्ध रखने एवं भूमि प्रदूषण तथा रसायन से मुक्त रखने में मदद मिली।

इतना ही नहीं इन सात या आठ वर्षों में शिकोहाबाद के आसपास के ५० से अधिक गाँवों एवं विद्यालयों में वृक्षारोपण, किसानों को फल–फूल के पौधे देकर राज्य एवं देश के वृक्ष आवरण को बढ़ाने में अपना योगदान दिया।

वनों की वृद्धि के साथ–साथ विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों, कीट पतंग, छोटे जीव जन्तु की संख्या में स्वत: वृद्धि हुई तथा मौसम के अनुसार पक्षियों का आवागमन तथा बसेरा बना। परिसर का तापमान लगभग २ डिग्री सेल्सियस कम भी हो गया है।

पर्यावरण मित्र का मानना और दृढ़ विश्वास है कि ऐसे छोटे किन्तु सफल प्रयोग को निजी व सरकारी प्रतिष्ठान अपने–अपने अनुपयोगी भूमि पर करें तो देश के ३३ प्रतिशत से अधिक भू भाग पर वृक्ष आवरण/वन का लक्ष्य

the prevention of air, water, noise and land pollution in their respective organisations in this Yagna of protection of nature."

Tree plantation by the management of Hind Lamps.
हिन्द लैम्प्स प्रबन्धकगण द्वारा वृक्षारोपण।

प्राप्त किया जा सकता है। जिससे प्रतिष्ठान, समाज, देश, जलवायु व प्रकृति की रक्षा स्वत: ही होगी।

सिर्फ सकारात्मक सोच, चिन्तन, प्रकृति और देश के प्रति निष्ठा से संस्थाओं द्वारा इस कार्य को बड़ी आसानी से किया जा सकता है। पर्यावरण मित्र का सरकारी, गैरसरकारी और निजी छोटे-बड़े संस्थानों से विनम्रतापूर्ण आव्हान है कि 'प्रकृति रक्षा के इस यज्ञ में पूर्ण मनोयोग से अपने-अपने संस्थान में वायु, जल, ध्वनि और भूमि के प्रदूषण को रोकने के लिए योगदान की सफल आहुतियां दें'।

बिना जंगल कैसे होगा मंगल : किरण

फीरोजाबाद,(संजीव कुमार भोला): शिकोहाबाद की अग्रणी संस्था पर्यावरण मित्र ने अपना सातवां स्थापना दिवस कार्यकर्ताओं के बीच रहकर चिन्तन बैठक कर मनाया। हिन्द लैम्प परिसर में आयोजित चिन्तन बैठक में विचार व्यक्त करते हुये पर्यावरण मित्र अध्यक्षा किरण बजाज ने कहा कि वर्ष 2011 को संयुक्त राष्ट्र संघ वन संरक्षण के लिये अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मना रहा है। इसलिए पर्यावरण मित्र ने वनों की विशेषता को ध्यान में रखकर लघु वनों के संरक्षण एवं वृद्धि पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति का संदेश है:

दशकूपसमा वापी दश्वापीसमो हद:।
दशइदसम: पुत्रो दशपुत्रसमो हद:।

भावार्थ एक बावड़ी बनाने वाले व्यक्ति को दस कुएं खोदने का पुण्य मिलता है, एक तालाब बनाने वाले को दस बावड़ियां बनवाने का पुण्य मिलता है। प्राचीन काल से ही हमारे पूर्वजों ने वनों की महत्ता का संदेश दिया है। दु:ख इस बात का है कि आर्थिक लोलुपता और भ्रष्टाचार की वजह से हमारी संस्कृति और प्रकृति का क्षय तीव्र गति से हो रहा है। बिना वनों के असंख्य प्राकृतिक, जलवायु आपदा व पर्यावरण प्रदूषण की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब न होंगे जंगल, तो कैसे होगा मंगल? ऐसी स्थिति में एक ही उपाय है कि हम अपने शहर, जंगल, गांव के हरे पेड़ों को न कटने दें और उसका कड़ा विरोध करें। यथा शक्ति पौधारोपण करें। उन्होंने कहा कि गांव में किसानों को जैविक खाद की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिये श्रीमती बजाज ने सुझाव देते हुए कहा कि टीम पर्यावरण मित्र को गांव मे जाकर किसानों को जैविक खाद के फायदे बताकर उसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इस कार्य के लिए उन्होंने पर्यावरण मित्र के कृषि विशेषज्ञ श्री पुष्पेंद्र शर्मा को अधिक्रत किया है। पर्यावरण मित्र के उद्यान विशेषज्ञ डा. के एन दुबे ने कहा कि संस्था द्वारा उत्पादित फूलों की पौध, बीज तुलसी के पौधे आदि का लाभ सभी को मिलना चाहिए, जिसके लिए परिसर से बाहर स्टाल लगाना चाहिए। जिस पर निर्णय हुआ कि हिंद लैम्प्स 2नं गेट के बाहर एक स्टाल लगाई जाएगी जिसका शुभारम्भ 28 सितंबर को किया जायेगा। इस मौके पर पर्यावरण मित्र लेखाकर अजय कुमार, वन विशेषज्ञ प्रमोद नरायण पाण्डेय, श्री मेराज, शशिकांत पाण्डे आदि मौजूद थे।

हरे पेड़ न कभी काटें और न ही किसी को काटने दें : जैविक खाद के प्रयोग को महत्व दें किसान

We say we love flowers, yet we pluck them. We say we love trees, yet we cut them down. And people still wonder why some people are afraid when told they are loved.

- Anon

Know About Your Plant

To give motion to the movement 'Know About Your Plant' by Paryavaran Mitra, the students of class 3 to 12 of various schools were invited with their teachers to see the forest in the compound. An educational program was organized under which the qualities and benefits of the forests situated in Hind Parisar were informed to the children and the qualities of the various species of plants were explained in detail.

The students of Gyandeep Public School, Young Scholars Academy, Indira Memorial Public School, Lord Krishna Public School participated in this program.

अपने पौधे के बारे में जानो

पर्यावरण मित्र द्वारा ''अपने पौधे के बारे में जानो'' अभियान को गति देने हेतु अपने विद्यालय के कक्षा ३ से १२ तक के विद्यार्थियों को उनके शिक्षक / शिक्षिकाओं के साथ परिसर में वन दर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, जिसके अन्तर्गत हिन्द परिसर स्थित वनों की विशेषताओं से होने वाले लाभ तथा पौधों के विभिन्न प्रजातियों के गुणधर्म के बारे में विस्तार से ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल, यंग स्कालर्स एकेडमी, इन्दिरा मैमोरियल पब्लिक स्कूल, लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भाग लिया।

Kiran Bajaj, President discussing the significance of trees.
पेड़ों के बारे मे बताती अध्यक्ष किरण बजाज।

Paryavaran Mitra convener Shashikant Pandey talking about forest to the school children.
स्कूली बच्चों को वनों के बारे में बताते पर्यावरण मित्र समन्वयक शशिकान्त पाण्डेय।

Paryavaran Mitra convener Shashikant Pandey talking about forests to the school children. Accompanied by Maya Sharma.
स्कूली बच्चों को वनों की विशेषता बताते पर्यावरण मित्र समन्वयक शशिकान्त पाण्डेय साथ में है माया शर्मा।

O' God !

Soil of Nation, Water of Nation,
Air of Nation, Fruits of Nation,
May All Turn Lusciously Pleasant!

Homes of Nation, Ghats of Nation,
Woods of Nation, Roads of Nation,
May All Turn Easily Accessible!

Men of Nation, Minds of Nation,
Brothers-N-Sisters of Nation's Homes,
May All Turn Selfless and Pure!

- Ravindranath Tagore

हे प्रभु !

देश की माटी देश का जल
हवा देश की देश के फल
सरस बनें प्रभु सरस बनें।

देश के घर और देश के घाट
देश के वन और देश के बाट
सरल बनें प्रभु सरल बनें।

देश के तन और देश के मन
देश के घर के भाई–बहन
विमल बनें प्रभु विमल बनें।

– रवींद्रनाथ ठाकुर

Celebrating 7th Founder's Day

7th Paryavaran Mitra Founder's Day was organized on 24th September, 2011 at Bajaj Bhavan. It went off extremely well with over 250 attendees.

Invocation was done by Asha Joshi, Carrol Bhogle & Minal Pabhrekar. The song was apt to our theme "van mangal ho, sab mangal ho, sab mangal mangal mangal ho"

Mukul Upadhyaya gave brief introduction about the Speakers and Paryavaran Mitra and its activities followed by Praful Phadke's presentation on Paryavaran Mitra and its activities done in various places at Shikohabad like plantation, green belt, gardens and awareness programme, Developing Nurseries, Anti Tobacco Day etc. The presentation also covered organic farming and the advantages of organic food.

A special message from President Kiran Bajaj was also read out at the occasion.

Speech by Bittu Sahgal :

Bittu Sahgal made a PowerPoint presentation that how beautiful is the mother earth and we need to preserve its natural resources. He mentioned that "People say this earth belongs to Lord Krishna and he will take care". He said don't expect others to do it, we have to do it on our own to save the environment. Kiran Bajaj has already

(L - R) Mukul Upadhyaya, Pooja Bajaj, Dr. Anish Andheria, Shekhar Bajaj, Anant Bajaj and Bittu Sahgal.
(बांए से) मुकुल उपाध्याय, पूजा बजाज, डॉ. अनीष अंधेरिया, शेखर बजाज, अनंत बजाज और बिट्टू सहगल।

पर्यावरण मित्र का ७ वां स्थापना दिवस समारोह

२४ सितंबर २०११ को बजाज भवन में मनाया गया पर्यावरण मित्र का सातवाँ स्थापना दिवस समारोह अत्यधिक शानदार रहा और उसमें २५० लोगों ने भाग लिया।

आशा जोशी, कॅरल भोगले और मीनल पाभ्रेकर ने प्रार्थना गीत गाया. गीत ''वन मंगल हो, सब मंगल हो, सब मंगल मंगल मंगल हो'' हमारे विषय के एकदम अनुरूप था।

मुकुल उपाध्याय ने वक्ताओं का संक्षिप्त परिचय और पर्यावरण मित्र की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। प्रफुल्ल फडके ने पर्यावरण मित्र और शिकोहाबाद की विभिन्न जगहों पर उसकी वृक्षारोपण, ग्रीन बेल्ट, बगीचे और जागरूकता कार्यक्रम, पौधशाला विकसित करने, तंबाकू रोधी दिवस आदि जैसी गतिविधियों पर प्रस्तुतिकरण पेश किया। प्रस्तुतिकरण में जैविक खेती और जैविक आहार के फायदों के बारे में भी बताया गया. अध्यक्ष किरण बजाज की ओर से विशेष संदेश भी पढ़ा गया।

बिट्टू सहगल का भाषण :

बिट्टू सहगल ने एक लाजवाब पॉवर पॉइंट प्रेज़ेन्टेशन में दिखाया कि हमारी प्रकृति माता कितनी खूबसूरत है और हमें इसके प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि,''लोग कहते हैं कि पृथ्वी कृष्ण से ताल्लुक रखती है तो हमें उसकी देखभाल करने की क्या जरूरत है, कृष्ण अकेले ही उसकी देखभाल कर सकते हैं।'' उन्होंने हमें सावधान किया

Audience listening in rapt attention.

दर्शकगण।

taken initiative towards Parayavaran and others should follow it. He also mentioned that Bajajs' have always contributed to the National causes. Parayavaran Mitra's purpose and activity should spread everywhere. Even a small plant goes a long way.

He concluded his speech by saying, "Don't fight against our nature as nature is doing its duties without any expectations and we should not spoil it, but love and preserve it". He encouraged all the participants to do their best in whatever manner they can do and also support Parayavaran Mitra for their activities.

Speech by Dr. Anish Andheria :

Dr. Andheria presented a slide show on rationale for conservation of wild life and nature. He explained various aspects of nature as also the advantage of saving wild life. He also shared his experience regarding forest. He said 20 years ago water was totally free and now it is priced. Likewise oxygen too will cost in near future if we don't care for environment. If each of us plants 10 trees it will change the environment for the better.

He emphasised on the point that what our children / new generation required is not money but pure environment, enough resources and our culture.

He concluded with the observations, "preservation of nature should be in our blood".

Open forum

The participants not only asked questions but also gave valuable suggestions.

कि हमें इस काम के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए पहल करनी चाहिए। किरण बजाज ने पर्यावरण की दिशा में पहला कदम उठाया है और दूसरों को उनका अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बजाज परिवार ने हमेशा राष्ट्र के लिए योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मित्र का उद्देश्य और गतिविधियाँ दूर दूर तक फैलनी चाहिए। हम सभी को पर्यावरण के प्रति कुछ न कुछ योगदान देना शुरू करना चाहिए; यहाँ तक कि एक छोटा सा पौधा भी काफी लंबे समय तक साथ निभाता है।

उन्होंने ''अपनी प्रकृति के खिलाफ न लड़ें क्योंकि प्रकृति अपना कर्तव्य बिना कुछ अपेक्षा किए कर रही है और हमें उसे खराब नहीं करना चाहिए बल्कि प्रकृति को प्यार और संरक्षण देना चाहिए'', शब्दों के साथ अपना भाषण समाप्त किया। उन्होंने सभी सहभागियों को हर संभव तरीके से अपना बेहतरीन योगदान देने और पर्यावरण मित्र को उसकी सभी गतिविधियों में सहयोग देने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

डॉ. अनीष अंधेरिया का भाषण :

डॉ. अंधेरिया ने वन्य जीवों और प्रकृति के संरक्षण के मूलाधार पर स्लाइड शो पेश किया। उन्होंने प्रकृति जैसे कि जीवों, फूलों के बारे में कई मुख्य तत्व बताए और वन्य जीवों की रक्षा के फायदे बताए। उन्होंने अपने अनुभव बताए और कहा कि २० साल पहले पानी बिल्कुल मुफ्त था और आज उसकी कीमत है। यदि हम पर्यावरण की देखभाल नहीं करेंगे तो इसी तरह से निकट भविष्य में ऑक्सीजन की भी कीमत वसूली जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि हम दस पेड़ भी उगाते हैं, तो वह काफी हैं।

उन्होंने इस बात पर काफी ज़ोर दिया कि हमारे बच्चों और भावी पीढ़ी की वास्तविक जरूरत पैसा नहीं बल्कि शुद्ध पर्यावरण, पर्याप्त संसाधन और समृद्ध संस्कृति हैं।

Bittu Sahgal (left) and Dr. Anish Andheria (right) making presentation.
बिट्टू सहगल (बांए) और डॉ. अनीष अंधेरिया (दांए) प्रेज़ेन्टेशन करते हुए।

Audience listening in rapt attention. दर्शकगण।

Vote of Thanks

CMD Shekhar Bajaj thanked both the speakers for their wonderful presetations and for creating awareness to preserve nature. He also thanked Pooja Bajaj for making wonderful arrangements.

(left) Display and sale of Organic products at Paryavaran Mitra stall (right) LED lighting products of Bajaj Electricals on display.

(बांए) पर्यावरण मित्र द्वारा उत्पादित जैविक अनाज, खाद, बीज की बिक्री एवं प्रदर्शनी (दांए) डिसप्ले पर बजाज इलेक्ट्रिकल्स के LED लाइटिंग उत्पाद।

उन्होंने इस बात के लिए प्रेरित करते हुए अपना भाषण समाप्त किया कि ''संरक्षण हमारे खून में मौजूद होना चाहिए।''

खुला मंच

सहभागियों ने न केवल प्रश्न पूछे बल्कि उन्होंने बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

धन्यवाद प्रस्ताव

सीएमडी ने इतने बढ़िया भाषण और प्रकृति के संरक्षण पर जागरूकता के लिए दोनों वक्ताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने अच्छी व्यवस्था करने में सहायता करने के लिए पूजा बजाज को भी धन्यवाद दिया।

Song of Bliss

May all be blissfulness, may all be blissful.
May water be blissful, may sky be blissful,
May every molecule of earth be blissful,
May all be blissfulness, may all be blissful.
May mind be blissful, may intellect be blissful,
May each moment of every man be blissful,
May all be blissfulness, may all be blissful.
May a state be blissful, may a pace be blissful,
May every creation of the man be blissful,
May all be blissfulness, may all be blissful.

मंगल गीत

शुभ मंगल हो शुभ मंगल हो।
शुभ मंगल मंगल मंगल हो।
जल मंगल हो नभ मंगल हो।
पृथ्वी का कण – कण मंगल हो।
शुभ मंगल हो शुभ मंगल हो।
शुभ मंगल मंगल मंगल हो।
चित मंगल हो मति मंगल हो।
व्यक्ति का क्षण – क्षण मंगल हो।
शुभ मंगल हो शुभ मंगल हो।
शुभ मंगल मंगल मंगल हो।
स्थिति मंगल हो गति मंगल हो।
मानव की हर कृति मंगल हो।
शुभ मंगल हो शुभ मंगल हो।
शुभ मंगल मंगल मंगल हो।

Bajaj Electricals and Paryavaran Mitra RUN for the Environment at the Mumbai Marathon

John Hanc, Running Writer says "I've learned that finishing a marathon isn't just an athletic achievement. It's a state of mind; a state of mind that says anything is possible."

On a chilly 2nd Sunday morning of Jan 2011, around 61 Bajaj Electricals Employees left their homes early in the morning.... some as early as 0530 hours, with just one mission in their mind. RUN!

It wasn't as much a marathon event as it was a celebration...of spirit and of life. Yes, on 16th January 2011, around 61 men and women together decided to run the Mumbai Marathon for the NGO Paryavaran Mitra.

As celebrities, sportsmen, physically challenged, housewives, students, corporate and the young and old gathered for the Mumbai Marathon, there was fun, excitement, frenzy in the early morning air for the 38,000 enthusiastic runners.

This was the 2nd stint at participating in the biggest Mumbai event. Six BEL employees ran the 21 km Half Marathon. However for the 55 Dream Run BEL Team, the excitement was too hard to curtail. The whole team

बजाज इलेक्ट्रिकल्स और पर्यावरण मित्र मुम्बई मैराथॉन में पर्यावरण की खातिर दौड़ने के लिए एकजुट हुए

धावक लेखक जॉन हैंस कहते हैं, ''मैंने सीखा है कि एक मैराथॉन करना केवल एक एथलेटिक उपलब्धि नहीं है. यह एक मानसिक अवस्था है ; एक ऐसी मानसिक अवस्था जो कहती है कि सब कुछ संभव है।''

जनवरी २०११ के दूसरे रविवार की ठंडक भरी सुबह को बजाज इलेक्ट्रिकल्स के ६१ कर्मचारी लगभग ५.३० बजे अपने – अपने घरों से निकल आए, उनका सबका एक ही लक्ष्य था। दौड़ना!

मैराथॉन से बढ़कर ..... यह एक भावना और जीवन का उत्सव था। जी हाँ, १६ जनवरी २०११ को, लगभग ६१ पुरुषों और महिलाओं ने एकजुट होकर मुम्बई मैराथॉन में स्वयंसेवी संगठन पर्यावरण मित्र के लिए दौड़ने का निश्चय किया।

मुम्बई मैराथॉन में जानी मानी हस्तियों, खिलाड़ियों, शारीरिक रूप से असमर्थ, गृहिणियों, छात्रों, कॉर्पोरेट और युवाओं एवं बुजुर्गों के भाग लेने के कारण सुबह की हवा में ३८,००० जोशीले धावकों के लिए आनंद, रोमांच और उन्माद का माहौल था।

बजाज के लिए, मुम्बई के सबसे बड़े आयोजन में भाग लेने का यह दूसरा मौका था। उन के छः कर्मचारी २१ किलोमीटर का आधा मैराथॉन दौड़े। लेकिन, ड्रीम रन में भाग लेने वाले ५५ कर्मचारियों की टीम के लिए भी जोश की कोई कमी नहीं थी। पूरी टीम एक घंटे पहले ही आज़ाद मैदान में पहुँच गई थी। दौड़ की शुरुआत होने का इंतज़ार करते हुए, लोग

Standard Chartered MUMBAI MARATHON 2010
Jan 17, 2010 Feel the spirit

CMD Shekhar Bajaj and President Kiran Bajaj holding aloft Paryavaran Mitra Banner in Mumbai Marathon.

मुम्बई मैराथॉन में सीएमडी शेखर बजाज और प्रेसीडेंट किरण बजाज पर्यावरण मित्र का बैनर लिए हुए।

Kiran Bajaj, Pooja Bajaj, ED Anant Bajaj and mates running in the Dream Run.

ड्रीम रन में दौडती किरण बजाज, पूजा बजाज, ईडी अनन्त बजाज एवं साथी।

ड्रीम रन

assembled at Azad Maidan. As they waited, they were given valuable tips on how to plan the 'run' and to avoid dehydration. Many corporate houses were present in large numbers and they actively supported causes around the girl child, child abuse, environment, senior citizens and the physically and mentally challenged. Many runners turned up for the Dream Marathon dressed in creative cut outs of flowers and animals.

The gates of Azad Maidan were thrown open at 9.10 am to the Dream Runners. BEL employees ran in a group led by CMD Shekhar Bajaj, Mrs. Kiran Bajaj President, Paryavaran Mitra, ED Anant Bajaj and his wife Pooja Bajaj. Large placards and banners with the message of saving environment fighting against noise, air and land pollution were proudly carried by employees.

Some team members ran the marathon, while others walked diligently with the messages.

The Route commenced at CST Terminus, moving on to Hutatma Chowk, Trident Hotel, Marine Drive and finally ending at Metro near Azad Maidan. En route live bands played music to entertain the runners.

Some veteran BEL runners completed the race between 35 and 50 minutes. The rest who were comparatively new finished the 6km Dream Run in a span of one to one and a half hours.

Words cannot express the passion one felt while running and pushing one's own boundaries to reach the final line. The participants minds echoed one thought: Next year, we shall return as a bigger and better team!

आपस में, दौड़ने के सही तरीके के अंतिम निर्देश दे रहे थे, कितना चलना है और कितना दौड़ना है और पानी के कमी होने से बचने के तरीकों के बारे में चर्चा कर रहे थे। बड़े – बड़े उद्योग समूह लड़कियों की शिक्षा, बच्चों के यौन शोषण, पर्यावरण, वरिष्ठ नागरिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से असमर्थ लोगों आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों को समर्थन देते हुए भाग ले रहे थे। खास तौर पर ड्रीम रन के धावक फूलों, पशुओं, प्रदूषण विरोधी मुहिम, रीसायक्लिंग आदि और उनके द्वारा समर्थन दिए जा रहे अन्य उद्देश्यों के आकर्षक कट आउट्स देखते ही बनते थे।

सुबह ठीक ९.१० बजे आज़ाद मैदान के द्वार ड्रीम धावकों के लिए खोल दिए गए। बीईएल कर्मचारियों का दल सीएमडी शेखर बजाज, पर्यावरण मित्र की प्रेसीडेंट किरण बजाज, ईडी अनंत बजाज एवं उनकी पत्नी पूजा बजाज की अगुआई वाले समूह में दौड़ा। कर्मचारियों के हाथों में ध्वनि, वायु एवं भूमि प्रदूषण से पर्यावरण की रक्षा के संदेश एवं इसी तरह के अन्य संदेशों वाले बैनर और बड़ी तख्तियां थीं।

धीरे–धीरे जैसे–जैसे जोश बढ़ता गया, टीम के कुछ सदस्य मैराथॉन में दौड़े, जबकि बाकी के सदस्य संदेश लेकर चलते रहे।

मार्ग सीएसटी टर्मिनस से शुरु होते हुए, हुतात्मा चौक, ट्रायडेन्ट होटल, मरीन ड्राइव से होते हुए अंतिमत: आज़ाद मैदान के पास मेट्रो पर खत्म हुआ। रास्ते में साथ–साथ नौसेना बैंड से लेकर मशहूर रेडियो स्टेशन की ओर से आयोजित रॉक शो और भांगड़ा पॉप जैसे बैंड संगीत बजा रहे थे।

बीईएल टीम के कुछ अनुभवी धावकों ने दौड़ को ३५ से ५० मिनट में पूरा किया। जो लोग काफी नए थे, उन्होंने ६ किलोमीटर की ड्रीम रन को एक से डेढ़ घंटे में पूरा किया।

दौड़ते–दौड़ते खुद को अंतिम रेखा तक खींचते समय व्यक्ति को होने वाले जोश के अहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। साथ ही सभी प्रतिभागियों के मन में एक ही विचार था : अगले साल हमारी टीम इससे बड़ी होगी, हम इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए अभी से तैयारी करेंगे और हाँ, हम यह कर सकते हैं!

The enthusiastic participants of the Mumbai Marathon.

एक जुट बजाज – पर्यावरण मित्र परिवार मुम्बई मैराथॉन में।

In the words of Fred Lebow, New York City Marathon co-founder:

"The marathon is a charismatic event. It has everything. It has drama. It has competition. It has camaraderie. It has heroism. Every jogger can't dream of being an Olympic champion, but he can dream of finishing a marathon."

न्यूयॉर्क शहर के मैराथॉन के सह–संस्थापक, फ्रेड लेबो के शब्दों में:

"मैराथॉन एक करिश्माई घटना है। इसमें सब कुछ है। इसमें ड्रामा है। इसमें स्पर्धा है। इसमें मैत्रीभाव है। इसमें वीरता है। जॉगिंग करने वाला हर व्यक्ति ओलम्पिक चैम्पियन बनने का ख्वाब नहीं देख सकता, लेकिन वह मैराथॉन पूरी करने का ख्वाब जरूर देख सकता है।"

Hyderabad Heritage Marathon

Andhra Pradesh Tourism and Hyderabad 10k Run Foundation came together on 9th October 2011 to organize the Hyderabad Heritage Marathon.

It was matter of great pride for the Hyderabadis to be associated with the prestigious Marathon. Since it covered the famous heritage locations like Chowmahalla Palace, Charminar, Mecca Masjid, High Court, Osmania Hospital, Mozamjahi Market, Public Gardens & AP Legislative Assembly, Ravindra Bharathi, Hussain Sagar, Secretariat, Lakdikapul, Masabtank, Taramati Baradari, Golconda Fort and the Qutub Shahi Tombs.

Total no. of participants from Team Bajaj for the Heritage Marathon Run were 29.

हैदराबाद हेरिटेज मैराथॉन –

आंध्र प्रदेश टूरिज़म और हैदराबाद १०के रन फ़ाउंडेशन ने साथ मिलकर 'हैदराबाद हेरिटेज मैराथॉन' का आयोजन किया।

इस दौड़ को एआईएमएस (एसोसिएशन ऑफ़ इंटरनेशनल मैराथॉन्स एंड रोड रेसेस) ने मापा और प्रमाणित किया।

प्रतिष्ठित हैदराबाद हैरिटेज मैराथॉन के साथ जुड़ना हैदराबाद वासियों के लिए बड़े गौरव की बात थी. इस मैराथॉन में अनेक विरासत स्थलों को शामिल किया गया, जैसे चौमहला पैलेस, चार–मीनार, मक्का मस्ज़िद, हाई कोर्ट, उस्मानिया अस्पताल, मोज़मजाही बाज़ार, पब्लिक गार्डन और आंध्र प्रदेश विधान सभा, रविन्द्र भारती, हुसैन सागर, सचिवालय, लकड़ी का पुल, मासाब टैंक, तारामती बारादरी, गोलकोंडा का किला और कुतुब शाही मकबरा। टीम बजाज के कुल २९ प्रतिभागियों ने इस हैरिटेज मैराथॉन दौड़ में हिस्सा लिया।

Participants holding Paryavaran Mitra banner and placards in Hyderabad Heritage Marathon.

पर्यावरण मित्र के बैनर लिए हुए हैदराबाद हेरिटेज मैराथॉन के प्रतिभागी।

''वैश्विक पर्यावरण को बचाने का संघर्ष एक तरह से हिटलर को हराने के संघर्ष से भी ज़्यादा कठिन है, क्योंकि इस बार हमारी लड़ाई स्वयं के साथ है. हम ही दुश्मन हैं, और हम ही अपने सहयोगी भी.''

– अल गोर

कृषि मेला

Farmer's Market - Mumbai

An initiative of promoting the organic products grown in our farm at Shikohabad.

Paryavaran Mitra has participated in Farmer's Market arranged by Kavita Mukhi at Bandra and Mahalaxmi in Mumbai, where Farmers can directly make available their Organic produce to the end users. This Market educate consumers about the benefits of going Organic.

The products on display at the stall were: Jowar, Garlic, Onions, Potatoes, Sweet Corn, Cumin seeds, Mustard seeds, Onion seeds etc.

The event was a big success. The visitors showed keen interest in the products and bought/booked orders for different types of grains.

Encouraged by responses in the Farmer's market, we continued promoting the organic products to the BEL employees as well.

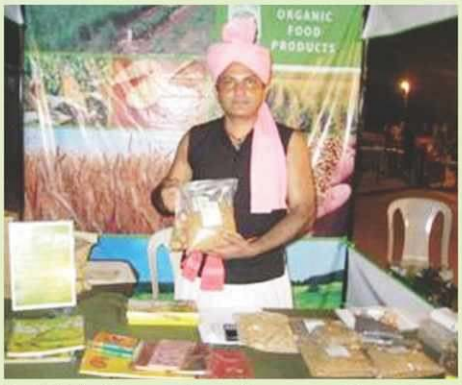

Praful Phadke in a farmer's attire at Farmer's Market.
प्रफुल्ल फडके किसान के वेश में मुंबई के फार्मर्स मार्केट में।

President Kiran Bajaj with volunteers at Farmer's Market, Mumbai.
अध्यक्ष किरण बजाज मुंबई फार्मर्स मार्केट में सहयोगियों के साथ।

फार्मर्स मार्केट – मुंबई

शिकोहाबाद स्थित हमारे फार्म में उपजे जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने की एक पहल।

पर्यावरण मित्र ने कविता मुखी द्वारा मुंबई के बांद्रा एवं महालक्ष्मी में आयोजित फार्मर्स मार्केट में भाग लिया, जहां किसान अपने जैविक उत्पादों को सीधे अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचा सकते हैं. इस मार्केट ने उपभोक्ताओं को जैविक उत्पादों के फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पाद थे : ज्वार, लहसुन, प्याज़, आलू, स्वीट कार्न, जीरा, राई, कलौंजी इत्यादि।

कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा. आगंतुकों ने विभिन्न प्रकार के उत्पादों में अत्यंत रुचि दिखाते हुए अलग–अलग प्रकार के अनाज की खरीदी/बुकिंग की।

फार्मर्स मार्केट में मिली प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर हमने बजाज इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीईएल) कर्मचारियों में जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के प्रयास जारी रखे हैं।

Amla

Only fresh or dried fruits of Amla are used for medicinal purposes.

Amla is one of the three fruits mixed to prepare popular medicine of India - Trifala. Other two are Harad (Terminalia chebula) and Baheda (Terminalia bellirica).

Trifala is a laxative and it is used in case of inflammation of the Liver, haemorrhoids, eye diseases and stomach ailments.

In case of the diseases (such as Scurvy) caused by the deficiency of Vitamin 'C', Amla is very beneficial.

Jam of Amla is used in the form of a medicine.

The fruits of Amla are used for making ink, hair washing mixture and oil.

आंवला

आंवला के ताजे या सुखाए हुए फल ही औषधि में काम आते हैं।

आंवला भारत की प्रसिद्ध औषधि त्रिफला में मिलाने वाले तीन फलों में से एक है (अन्य दो हैं, हर्रा और बहेड़ा)।

'त्रिफला' रेचक होता है और जिगर बढ़ जाने पर बवासीर में, नेत्र रोगों में तथा उदर विकारों में उपयोगी है।

विटामिन 'सी' की कमी से होने वाले रोगों (जैसे स्कर्वी) में आंवला अत्यंत लाभप्रद है।

आंवले का मुरब्बा भी औषधि के रूप में प्रयुक्त होता है।

आंवले के फल रोशनाई (स्याही) रंग, केश धोने के मसाले तथा तेल बनाने के भी काम आते हैं।

कृषि मेला

Organization of Agro Fair - Shikohabad

In the compound of Vikas Bhavan of Shikohabad, an Agricultural Fair was organized on 28 December 2010. Farmers were provided information on agricultural equipments, agricultural methods, fertilizers etc. On this occasion, a stall of vegetables grown using organic fertilizers, by Paryavaran Mitra was organized. Different people visiting the fair appreciated the initiative of Paryavaran Mitra for the organic fertilizers and also made purchases.

Organic Vegetables.

कृषि मेले का आयोजन – शिकोहाबाद

फिरोजाबाद के विकास भवन प्रांगण में दिनांक २८ दिसम्बर २०१० को एक कृषि मेले का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को कृषि यन्त्रों, खेती के तरीकों, खाद आदि के बारे में जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर पर्यावरण मित्र द्वारा भी जैविक खाद से उत्पादित सब्जियों, जैविक खाद का स्टॉल लगाया गया। मेले में आये विभिन्न वर्ग के लोगों ने पर्यावरण मित्र द्वारा जैविक खाद के लिए की जा रही पहल का स्वागत किया एवं खरीदारी भी की।

जैविक सब्जी।

Paryavaran Mitra convener Shashikant handing over jute bag to D. M. Dinesh Chandra Shukla.
पर्यावरण मित्र समन्वयक शशिकान्त डी. एम. दिनेश चंद्र शुक्ला को जूट का थैला भेंट करते हुए।

Agricultural expert Pushpendra Sharma explaining benefits of Organic Farming to the farmers.
कृषि विशेषज्ञ पुष्पेन्द्र शर्मा किसानों को जैविक खेती के लाभ बताते हुए।

कृषि मेला में विभागों ने लगाई मेले में स्टॉल

हिन्दुस्तान संवाद
फिरोजाबाद

विकास भवन प्रांगण में आयोजित कृषि मेला एवं प्रदर्शनी में किसानों ने छूट पर काफी संख्या में कृषि यंत्रों की खरीददारी की। एग्रो द्वारा बुखारी के साथ ही अन्य उपकरण, कृषि विभाग द्वारा स्प्रे मशीन एवं नेडा तथा मत्स्य विभाग द्वारा भी काउंटर लगाए गए थे।

आयशर ट्रैक्टर की ओर से भी उत्पादों की बिक्री की जा रही थी। डीएम दिनेशचंद्र शुक्ल एवं सीडीओ सुरेश कुमार राठौर एवं उप निदेशक कृषि प्रसार आरडी बागला ने अनेक किसानों को स्प्रे मशीन, बुखारी के साथ ही अन्य उपकरण प्रदान किए। वर्मी कंपोस्ट खाद की तैयारी करने की विधि की जानकारी दी गई। वहीं प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की शाश्वत योगिक खेती में बिना किसी कीटनाशक के बहुत ही अच्छी सब्जी देख किसान से दोनों फसलों के अंतर की जानकारी लेते हुए कम लागत पर अच्छी पैदावार के लिए इसका प्रसार किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

हिंद लैम्प की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य के तहत जैविक खेती के अच्छे उत्पादों में काफी रूचि दर्शायी।

स्टॉलों पर पहुंच सुनी किसानों की बात

फीरोजाबाद, निज प्रतिनिधि: विकास भवन में लगे किसान मेले में तमाम प्रकार के स्टाल लगाए गए थे। किसानों ने कम लागत पर ज्यादा लाभ देने वाले जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया तो उपकरणों के प्रदर्शन के साथ में अनुदानित दरों पर वितरित किए गए।

जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र शुक्ल और मुख्य विकास अधिकारी सुरेश कुमार राठौर ने उप कृषि निदेशक आरडीबागला तथा अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ पूरे मेला-प्रदर्शनी क्षेत्र का भ्रमण किया। वहीं कृषकों को अनुदानित दरों पर पावर चलित, हस्त चलित स्प्रे मशीन और बुखारी का वितरण किया। डीएम ने किसानों से सीधे वार्ता की। उत्पादक किसान द्वारा बैंक से पांच लाख रुपए के प्रोजेक्ट पर मात्र दो लाख रुपए मिलने के मामले में सीडीओ को इसे देखने के लिए कहा। प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाश्वत योगिक खेती में बिना किसी कीटनाशक के बहुत ही अच्छी सब्जी देख किसान से दोनों फसलों के अंतर की जानकारी लेते हुए कम लागत पर अच्छी पैदावार के लिए प्रचार प्रसार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया। हिंद लैम्प द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य के तहत जैविक खेती के उत्पादों में रुचि दिखाई। उप कृषि निदेशक ने मेला प्रदर्शनी में मण्डपों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

किसानों को कृषि उपकरण प्रदान करते जिलाधिकारी।

कृषि मेला

Organic Farming all the way

Gandhi Jayanti on 2 October 2011 also saw the sale and exhibition of organic vegetables, fertilizers, seeds, farming and fruits as well as flowers produced by Paryavaran Mitra.

The purpose of organising this exhibition was to introduce organic farming to the farmers and encourage them to adopt it.

Organic fertilizer and method of making organic fertilizers were presented during the event. Wheat, maize, sorghum, coriander, fenugreek and spinach grown using such fertilizer were presented. CMD Shekhar Bajaj and President Kiran Bajaj were present at the exhibition. More than 700 villagers and farmers attended the exhibition and enhanced their knowledge. Encouraged by this experiment it has been decided by Paryavaran Mitra to frequently organise such exhibitions.

CMD Shekhar Bajaj and Kiran Bajaj visited the exhibition at Shikohabad.
शिकोहाबाद में सीएमडी शेखर बजाज एवं अध्यक्ष किरण बजाज ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

Paryavaran Mitra stall attracted lot of attention.
पर्यावरण मित्र के स्टाल ने दर्शकों को आकर्षित किया।

जैविक खेती, जैविक खाद, जैविक अनाज, जैविक स्वाद

दिनांक २ अक्टूबर २०११ गांधी जयन्ती के अवसर पर पर्यावरण मित्र द्वारा उत्पादित जैविक सब्जी, जैविक खाद, जैविक बीज, जैविक खेती एवं फल – फूल के पौधों की बिक्री एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य किसानों को जैविक खेती के बारे में परिचय देना एवं प्रोत्साहित करना था।

संस्था द्वारा किसानों के लिए प्रदर्शनी में जैविक खाद व खाद बनाने की विधि, खाद से उत्पादित गेहूँ, मक्का, ज्वार, ग्वार, धनिया, मेथी, पालक आदि रखे गये।

प्रदर्शनी में किसानों ने बहुत रूचि दिखायी व अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर बजाज इलेक्ट्रिकल्स के सीएमडी शेखर बजाज एवं पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लगभग ७००–८०० ग्रामीण और किसानों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर ज्ञानवर्धन किया।

इस प्रयोग से प्रोत्साहित होकर पर्यावरण मित्र ने यह निर्णय लिया कि इस तरह की प्रदर्शनी हम निरन्तर करते रहेंगे।

Green Thoughts

Teach your children what we have taught our children, that the earth is our mother. Whatever befalls the earth befalls the sons of the earth. If men spit upon the ground, they spit upon themselves.

-Native American Wisdom

कृषि मेला

Heartiest congratulations on organizing exhibition on the eve of Gandhiji's Birth Anniversary

The common people of city & villages should take more and more benefit of the vegetables which were grown using bio-fertilizer. For this sales may be organized through more and more exhibitions, so that the people would turn to it.

Thank you.
Rinku Yadav,
Gadhooma
M. No.: 9756243197 /
9568906622

गांधी जयन्ती के अवसर पर प्रदर्शनी के लगने पर हार्दिक बधाई

जैविक खाद के माध्यम से जो सब्जी उत्पादन की गई उसका आम शहरी एवं गाँव के लोगों को अधिक से अधिक लाभ हो इसके लिए ज्यादा – से ज्यादा प्रदर्शनी के माध्यम से बिक्री की जाये जिससे लोगों में इसके प्रति समझ बढ़े।

धन्यवाद
रिन्कू यादव
गदूमा
मोबा. नं. : ९७५६२४३१९७,
९५६८९०६६२२

Heartiest congratulations on organizing an exhibition on the auspicious occasion of Gandhi Jayanti about the products grown without using chemical insecticides.

Kindly take trouble to arrange for a shop and a godown outside the Hind Complex for daily sales and exhibition of the genetically produced products for the benefit of the common people. This way, the people can have complete knowledge to buy and create the products.

Thanking you.
Pramodkumar, S/o Shri Layak Singh
Res. Gadhooma
M. No. 9927468333

गांधी जयन्ती के शुभ अवसर पर रसायनिक कीटकनाशक रहित उत्पाद प्रदर्शनी में लगाने की हार्दिक बधाई है।

जैविक विधि द्वारा तैयार उत्पाद की बिक्री हेतु व प्रदर्शन हेतु प्रतिदिन के लिए आम नागरिकों को लाभ प्राप्त करने के लिए हिन्द परिसर से बाहर दुकान व गोदाम की व्यवस्था करने का कष्ट करें। जिससे सभी लोगों को उत्पाद खरीदने व तैयार करने की विधि की पूर्ण जानकारी उपलब्ध हो सके।

धन्यवाद
प्रमोद कुमार / श्री लायमी नि. गढूमा
मोबा. नं. : ९९२७४६८३३३

Heartiest congratulations and many best wishes to the organizers of Paryavaran Mitra Institution for organizing exhibition of genetically produced products on the august occasion of Gandhis Birth Anniversary!

I am very happy to see and buy the genetically grown plants and all the products for the first time. Wishing greater expansion of the activities of such commendable efforts of Paryavaran Mitra Institution and with the best wishes...

With regards,
Dhirendra Singh Yadav
4-5, Hind Residential Complex,
Shikohabad.

गांधी जयन्ती के सुअवसर पर जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने के उपलक्ष में पर्यावरण मित्र संस्था संचालकों को बहुत – बहुत बधाइयाँ व शुभ कामनाएँ।

जैविक विधि से उत्पादित पौधों व समस्त उत्पादों को प्रथम बार दर्शन कर व उत्पाद खरीद कर अति प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। पर्यावरण संस्था का यह सराहनीय प्रयास अति विस्तीर्ण हो इन्ही शुभ कामनाओं के साथ

ससम्मान
वीरेन्द्र सिंह यादव
४–५, हिन्द आवासीय कालोनी,
शिकोहाबाद

World Anti-Tobacco Day Observed - Mumbai

World Anti-Tobacco Day (31st May 2011) was observed with great fervor at IMC with over 300 people attending the event. The IMC & its Ladies' Wing, Salaam Bombay Foundation, and Bajaj Electricals joined hands with Paryavaran Mitra to share a common platform of Anti-Tobacco.

It may be recalled that last year, the day was observed with Salaam Bombay Foundation when CMD Shekhar Bajaj had given a call to the employees of Bajaj Electricals to join the movement of not only quitting the use of tobacco but also persuade others to do so. The initiative gathered momentum under the project "Kick-off the Tobacco Dragon". In the last one year, of the 153 tobacco users in the Company, 130 have given up tobacco usage completely.

This year, Dr. Pankaj Chaturvedi of Tata Memorial Hospital was the Chief Guest on the occasion.

Welcoming the guests, Niranjan Hiranandani, Vice President-elect of the IMC emphasised the need to ban tobacco in India. He was critical of the government, which is slow to the ban since it would mean a loss of revenues generated from the taxes on producing and selling tobacco. But if we consider the cost of Hospitals and the social cost to the society and more importantly, the aftermath to the patient's family, this revenue would not seem to be worth its while. If tobacco cultivation is

विश्व तम्बाकू–निषेध दिवस मनाया गया – मुंबई

३०० लोगों की उपस्थिति के साथ आईएमसी में विश्व तम्बाकू–निषेध दिवस (३१ मई २०११) बड़े जोर–शोर से मनाया गया। तम्बाकू–निषेध के साझे मंच के लिए आईएमसी तथा उसके लेडीज़ विंग, सलाम बॉम्बे फाउंडेशन और बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने पर्यावरण मित्र से हाथ मिलाया।

याद होगा, कि पिछले साल यह दिन सलाम बॉम्बे फाउंडेशन के साथ मिलकर मनाया गया था जब सीएमडी शेखर बजाज ने बजाज इलेक्ट्रिकल्स के कर्मचारियों से न केवल स्वयं तम्बाकू छोड़कर बल्कि दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करके इस अभियान में शामिल होने का आवाह्न किया था। पहल को ''तम्बाकू राक्षस से छुटकारा पाओ'' नामक परियोजना के अंतर्गत गति मिली। पिछले एक साल में, कम्पनी के तम्बाकू सेवन करने वाले १५३ लोगों में से १३० ने पूरी तरह से तम्बाकू छोड़ दिया है।

इस साल, टाटा मेमोरियल अस्पताल के डॉ.पंकज चतुर्वेदी समारोह के मुख्य अतिथि थे।

मेहमानों का स्वागत करते हुए, आईएमसी के चयनित उपाध्यक्ष, निरंजन हीरानंदानी ने भारत में तम्बाकू को प्रतिबंधित करने की जरूरत पर ज़ोर दिया। वे सरकार को दोषी ठहरा रहे थे, कि वह तम्बाकू के उत्पादन और बिक्री से मिलने वाले करों की कमाई के नुकसान से बचने के लिए प्रतिबंध लगाने में देरी लगा रही है। लेकिन यदि हम अस्पतालों के खर्चों और समाज पर सामाजिक लागतों पर और सबसे महत्वपूर्ण, मरीज के परिवार के परिणाम पर विचार करें, तो उन सबके सामने इस कमाई के कोई मायने नहीं रह जाएँगे। यदि तम्बाकू उगाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा, तो अपने निर्वाह

(L-R) CMD Shekhar Bajaj, Niranjan Hiranandani, Vice President of IMC, Dr. Pankaj Chaturvedi, Tata Memorial Hospital, Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra, Aditi Parekh, Salaam Bombay Foundation.

(बायें से) सीएमडी शेखर बजाज, आईएमसी के उपाध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी, टाटा मेमोरियल अस्पताल के डॉ.पंकज चतुर्वेदी, अध्यक्ष किरण बजाज एवं सलाम बॉम्बे फाउंडेशन की ओर से अदिति पारिख।

banned, farmers can grow alternate crops for their livelihood and thus the revenue loss to the Government could be minimized.

Keynote address by Dr. Pankaj Chaturvedi of TATA Memorial Hospital :

Dr. Pankaj Chaturvedi, in an impactful keynote speech presented a panoramic view of the financial, social, psychological and health related problems of tobacco consumption. He said that a personal visit to his hospital would convince the public of horrific results of smoking and tobacco chewing. He observed that, unlike consumption of liquor in moderation which is not harmful, consuming tobacco is harmful from the very first cigarette and so is chewing of tobacco. It not only harms the individual but their families, neighbourhood and environment including others (passive smokers). Also, tobacco is addictive, therefore one should not begin consuming tobacco in any form. He made an interesting comment that tobacco is the only consumer product which carries a warning of dreadful consequences on the pack yet people pay and buy the product.

के लिए किसान उसकी जगह पर कोई अन्य फसल उगाएँगे और इस तरह सरकार को होने वाले घाटे को कम किया जा सकता है।

टाटा मेमोरियल अस्पताल के डॉ.पंकज चतुर्वेदी का भाषण:

टाटा मेमोरियल अस्पताल के डॉ.पंकज चतुर्वेदी ने उनके प्रभावशाली भाषण में तम्बाकू खपत से जुड़ी वित्तीय, सामाजिक, मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का वृहत दृश्य प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर अस्पताल में आकर तम्बाकू खाने और धूम्रपान करने के डरावने परिणामों को देखकर जनता उसे समझ सकती है। उन्होंने बताया कि, सीमित मात्रा में पी जाने वाली शराब नुकसानदायक नहीं होती है, लेकिन उसके विपरीत पहला सिगरेट पीने से या पहली बार तम्बाकू खाने से ही तम्बाकू का सेवन नुकसानदायक होता है। यह केवल सेवन करने वाले व्यक्तियों को ही नुकसान नहीं पहुँचाता बल्कि उनके परिवारों, पड़ोसियों और अन्यों (निष्क्रिय सेवनकर्ताओं) सहित पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचाता है। साथ ही, तम्बाकू व्यसनकारी है इसलिए इन्सान को किसी भी रूप में तम्बाकू का सेवन शुरू ही नहीं करना चाहिए। उन्होंने एक दिलचस्प टिप्पणी की कि तम्बाकू एकमात्र उपभोक्ता उत्पाद है जिसके पैक पर

Niranjan Hiranandani delivering the welcome address.
निरंजन हीरानंदानी मेहमानों का स्वागत करते हुए।

Keynote address by Dr. Pankaj Chaturvedi.
मुख्य अतिथि डॉ.पंकज चतुर्वेदी श्रोताओं को संबोधित करते हुए।

Aditi Parekh making an impactful presentation.
प्रस्तुतिकरण पेश करती अदिति पारिख।

Presentation by Salaam Bombay Foundation :

Aditi Parekh speaking on behalf of Salaam Bombay Foundation said that their mission is to eliminate the threat of tobacco consumption among children by empowering them to become confident adults to lead tomorrow's India. They have been working with over 5 lakh children aged between 10 - 17 years belonging to the weaker sections of society. They have been active in Municipal schools and Government aided schools in Mumbai and their outreach programs have reached a couple of districts of rural Maharashtra to target children and young adults.

उसके सेवन के खतरनाक परिणामों के बारे में चेतावनी दी होती है फिर भी लोग पैसे देकर उस उत्पाद को खरीदते हैं।

सलाम बॉम्बे फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण :

सलाम बॉम्बे फाउंडेशन की ओर से संबोधित करते हुए आदिती पारेख ने कहा कि उनका लक्ष्य बच्चों में तम्बाकू सेवन के खतरे को दूर करना है जिससे वे भावी भारत का नेतृत्व करने के लिए आत्मविश्वासी वयस्क बन सकें। वे समाज के कमजोर तबके से संबंधित १५–१७ वर्षीय ५ लाख बच्चों के साथ काम कर रहे हैं। वे मुम्बई के नगरपालिका स्कूलों और सरकारी मान्यता वाले स्कूलों में सक्रिय हैं और बच्चों एवं किशोरों को लक्षित करने के लिए वे ग्रामीण महाराष्ट्र के कुछ जिलों तक पहुँच गए हैं।

Address by Kiran Bajaj – President, Paryavaran Mitra :

"Paryavaran Mitra" is an NGO started in 2004. Its main objective is to prevent various types of pollution (sound, air, land and water) so that we offer a better world to live in to our present and future generations. Kiran Bajaj has been working passionately and aggressively to promote the movement.

In a thought- provoking speech, she informed the audience about a silent protest that was being carried out in Shikohabad, on that very day, by students . Besides, leading intellectuals and businessmen of the city have gathered and signed a petition to ban tobacco which will be submitted to the U.P. Chief Minister Mayawatiji.

She cited real life instances proving that tobacco use not only kills the victim but also destroys their family. She urged the audience to take this anti-tobacco movement further in any form and do whatever they can for the society to abolish this tobacco dragon.

She mentioned that the New Zealand Government has decided that from 1st July 2011, cigarettes will be banned and will be considered like any other contraband. If the New Zealand Government, in spite of having advanced medical facilities to treat smokers, are moving ahead to ban cigarettes, then surely Corporate India through their

Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra, in a thought-provoking speech, urged the audience to take this anti-tobacco movement further.
विचारोत्तेजक भाषण में, पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने दर्शकों से इस तम्बाकू–निषेध अभियान को आगे ले जाने का निवेदन किया।

पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष – किरण बजाज का संबोधन :

''पर्यावरण मित्र'' एक स्वयंसेवी संगठन है जिसकी शुरूआत २००४ में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों (ध्वनि, वायु, भूमि और जल) को रोकना है ताकि हम अपनी वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को रहने के लिए बेहतर दुनिया दे सकें। किरण बजाज इस अभियान में बहुत जोश और सक्रियता से काम कर रही हैं।

विचारोत्तेजक भाषण में, उन्होंने शिकोहाबाद में छात्रों द्वारा, उस विशेष दिन, चलाए जा रहे मौन मोर्चा के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, शहर के बुद्धिजीवियों और व्यापारियों ने इकट्ठे होकर तम्बाकू प्रतिबंधित करने के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर किए जिसे उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावतीजी को सौंपा जाएगा।

उन्होंने असली जीवन के उदाहरण पेश किए जिनसे साबित होता है कि तम्बाकू न केवल सेवन करने वाले को मारता है बल्कि उसके परिवार को भी तबाह कर देता है। उन्होंने दर्शकों से इस तम्बाकू–रोधी अभियान को किसी भी रूप में आगे ले जाने और समाज को इस तम्बाकू नामक राक्षस से छुटकारा दिलाने के लिए हर संभव काम करने का निवेदन किया।

उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड सरकार ने घोषणा की है कि १ जुलाई २०११ से सिगरेट प्रतिबंधित कर दिया जायेगा और उनको किसी भी अन्य निषिद्ध वस्तु की तरह माना जाएगा। सेवनकर्ताओं के इलाज के लिए आधुनिक मेडिकल सुविधाएँ होने के बावजूद, यदि न्यूजीलैंड सरकार सिगरेट को प्रतिबंधित करने के लिए आगे आ सकती है, तो अपने

"Story of the Smoker..." Thought provoking hoarding was put up at strategic locations.
प्रभावशाली होर्डिंग "कहानी सिगरेट पीने वाले की ..." महत्वपूर्ण जगहों में लगाई।

Deepak Kumar, a cancer patient shared his personal experience and its after effects of being a chain smoker.
एक कैंसर रोगी, दीपक कुमार ने अपने निजी अनुभव और चेन स्मोकर होने के बुरे नतीजे बताए।

own contacts and Associations like CII, ASSOCHAM, FICCI, IMC can put enough pressure on the Indian Government to ban tobacco in India too. Not only will it benefit all... since India will grow to be a healthy nation, but also, families and friends will see this as a great service, both mentally and financially.

The whole proceedings of the event created an atmosphere of participation and a resolve among participants to carry forward the movement and spread the message of 'No Tobacco' at home, at the work place and among the general public.

World Anti-Tobacco Day Observed at Shikohabad

Paryavaran Mitra and Kalpataru jointly organised a meeting with social organisations on 20 May 2011 at local school, Blooming Buds. The aim was to discuss a tobacco free city.

The key points discussed were:

We must bring improvement in ourselves. Areas around schools and colleges should be made tobacco free. Can children build the future of the nation under the influence of tobacco and alcohol? The locals must retaliate against this and ask for a ban of tobacco and alcohol shops around schools and other educational institutions.

संपर्कों एवं सीआईआई, एसोचेम, फिक्की आईएमसी जैसे संगठनों के माध्यम से कॉरपोरेट भारत भी तम्बाकू को प्रतिबंधित करने के लिए भारत सरकार पर पर्याप्त दबाव बना सकता है। इससे न केवल सभी को लाभ होगा बल्कि भारत एक स्वस्थ देश बनकर विकसित होगा, और साथ ही, परिवार और मित्र भी मानसिक एवं वित्तीय तौर पर इसे एक महान सेवा मानेंगे।

समारोह की पूरी गतिविधि ने सहभागिता का माहौल पैदा किया और सहभागियों के अंदर अभियान आगे ले जाने और घर पर, कार्यस्थल पर और सामान्य जनता के बीच 'तम्बाकू निषेध' के संदेश को फैलाने का प्रण लेने की भावना जगाई।

शिकोहाबाद में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के संदर्भ में ठोस चर्चा

पर्यावरण मित्र एवं कल्पतरु की ओर से नगर को तम्बाकू मुक्त बनाने का संकल्प लेते हुये दिनांक २६ मई २०११ को स्थानीय ब्लूमिंग बड्स स्कूल में सामाजिक संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में विचार विमर्श के बाद योजना बनायी गयी कि :

सबसे पहले हम अपने में सुधार करें । स्कूल एवं होस्टलों के पास वाले क्षेत्र को तम्बाकू मुक्त बनाएँ। यदि व्यक्ति की संगति खराब होगी तो गलत आदतों में पड़ कर उसका जीवन बर्बाद हो जाएगा। क्या शराब और तम्बाकू और नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले बच्चे देश का भविष्य बना पायेंगे? स्थानीय लोगों को मिलकर इसका प्रतिकार करना ही चाहिए।

Volunteers, doctors, teachers of schools and colleges, N.C.C. Cadets standing together at a rally organised in Shikohabad.

शिकोहाबाद में आयोजित रैली में एक साथ खडे स्वंयसेवी, डॉक्टर, स्कूल कॉलेज के शिक्षक, एन. सी. सी. कैडिट्स।

The representatives of different social organisations present at the meeting expressed their desire to take concrete action at personal and institutional levels on the following points:

1. Tobacco should be banned.
2. Kids must be educated about the evil effects of smoking / tobacco consumption.
3. Constant reminders must be sent out about the evil effects, illness and financial strains by tobacco. These can be done by satellite groups.
4. Senior physician Dr. A. K. Ahuja said, we have to liberate every family from tobacco. It is a sweet poison, which gradually macerates the human body from within. He explained how he spoke every single day with people to liberate them from the effects of gutkha, beedi, and alcohol addiction.
5. Dr. Rajni Yadav, Director, Dnyandeep C. Secondary Public School said "Children are the future of our nation. They will have to firmly resolve that they will neither be addicted to tobacco nor would permit anybody from their family to get addicted."

After that, it was resolved that, a rally would be organised at 5 am on 31st May 2011 and a signed memorandum would be handed over to the administration for imposition of ban on tobacco.

Volunteers shouting slogans against Tobacco.
तम्बाकू के विरोध में नारे लगाते स्वंयसेवक।

School children walking holding posters.
हाथों में पोस्टर लेकर चलते स्कूली बच्चे।

Eliminate Tobacco, Save Lives

On the World Tobacco Prohibition Day, a rally was organised from Hind Lamps to Narayan Inter College, in which, accompanied by the presence of leading

बैठक में उपस्थित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने निम्नांकित बातों पर व्यक्तिगत व संस्थागत स्तर से पहल कर ठोस कार्यवाही करने की मंशा जतायी :

१. बुराई का मुहाना बन्द कर दिया जाय तो तम्बाकू खुद बन्द हो जायेगा।

२. धूम्रपान के दुष्परिणाम तथा उससे बचने के प्रयासों के बारे में बच्चों को प्रायमरी स्कूल से ही चेतावनी दी जानी चाहिए।

३. छोटे – छोटे समूह बनाकर तम्बाकू से होने वाले दुष्परिणाम, भयंकर बीमारियों एवं आर्थिक नुकसान आदि के बारे में जानकारी निरंतर देनी चाहिए।

४. वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए. के. आहूजा ने कहा कि हमें एक – एक परिवार को तम्बाकू मुक्त कराना है। यह एक मीठा जहर है जो धीरे – धीरे इन्सान के शरीर को गला देता है। उन्होंने कहा कि हर दिन गुटखा, बीड़ी, शराब आदि व्यसन करने वाले व्यक्ति को समझाकर और उनके परिणाम बताकर उससे मुक्त कराता हूँ।

५. ज्ञानदीप सी. सेकेडंरी पब्लिक स्कूल की निदेशिका डॉ. रजनी यादव ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इन्हें संकल्प लेना होगा कि वे न तो स्वंय इसका सेवन करेंगे और न ही अपने परिवार में किसी को इसक सेवन करने देंगे।

तत्पश्चात यह निर्णय लिया गया कि दिनांक ३१ मई २०११ को सुबह ५ बजे एक रैली का आयोजन किया जायेगा एवं सामाजिक संगठनों की ओर से तम्बाकू बन्दी के लिए शासन को हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन दिया जाएगा।

तम्बाकू हटाओ, जीवन बचाओ

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर हिन्द लैम्प्स से नारायण इण्टर कालेज तक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें शिवा पर्यावरण कृषि एवं महिला उत्थान सेवा समिति, यंग स्कालर्स एकेडमी के बच्चों के साथ गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हिस्सेदारी की। रैली में बच्चों एवं

personalities, Shiva Paryavaran Krishi and Mahila Utthan Seva Samiti, the children of Young Scholars' Academy participated.

The children and participants in the rally shouted slogans like - **"Remove Tobacco, Save Lives, Smoke of Tobacco is a Black Well of Death", "Coughing Having Smoked Beedi, Dancing Before Death Gaily".** Kiran Bajaj conveyed her best wishes for the success of the rally.

At the request of Kiran Bajaj and with cooperation of the social organisations, schools, colleges, professors, students, farmers, professionals, teachers etc, 500 individuals signed a memorandum handed over to the Collector along with a letter addressed to the Chief Minister Ms. Mayawati.

The representatives of Paryavaran Mitra and other organizations handing over a signed Memorandum to D. M. Surendra Singh.
हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन डी. एम. श्री सुरेन्द्र सिंह को देते पर्यावरण मित्र एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि।

कार्यकर्ताओं द्वारा **'तम्बाकू हटाओ, जीवन बचाओ', तम्बाकू का धुआँ है मौत का कुआँ', 'बीड़ी पी कर खाँस रहा है, मौत के सामने नाच रहा है'** जैसे तम्बाकू विरोधी नारे लगाये। किरण बजाज ने रैली की सफलता के लिए शुभकामना दी।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज के अनुरोध और सहयोग पर सामाजिक संगठनों, विद्यालय, महाविद्यालय, प्रोफेसर, छात्र, किसान, व्यवसायी, शिक्षक आदि के ५०० लोगों ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती को संबोधित पत्र के साथ जिलाधिकारी महोदय को दिया गया।

उन्होंने इस पत्र को मुख्यमंत्री, सचिवालय लखनऊ को प्रेषित कर दिया।

'बीड़ी पीकर खांस रहा मौत के सामने नाच रहा'

तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली रैली

अमर उजाला ब्यूरो

शिकोहाबाद। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक रैली निकाली गई। रैली के द्वारा तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से अपने नगर को मुक्त करने का संकल्प लिया। रैली में शामिल छात्र-छात्राएं हाथों में तंबाकू, गुटखा विरोधी नारे लिखी तख्तियां लिए चल रहे थे।

रैली स्टेशन रोड स्थित सुभाष तिराहे से प्रारंभ हुई रैली में शिवा पर्यावरण कृषि एवं महिला उत्थान सेवा समिति, पर्यावरण मित्र, हिंद लैंप्स, कल्पतरू संस्था के अलावा ब्लूमिंग बड्स, ज्ञानदीप स्कूल, यंग स्कोलर्स, गाडेनिया पब्लिक स्कूल, पंतजलि योग समिति, व्यापार मंडल शामिल थे।

हिंद लैंप्स के कार्यकारी निदेशक एसपी नायगांकर ने पर्यावरण मित्र कार्यकर्ताओं और हिंद लैंपस के प्रबंधकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्टेशन होती हुई सुभाष पार्क पहुंची जहां से कल्पतरू संस्था के नेतृत्व में पालीवाल चौराहा, नारायण तिराहा, बड़ा बाजार, रूकनपुर, कटरा बाजार होती नारायण कालेज के प्रांगण में समाप्त हुई। रैली के माध्यम से बच्चों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा तंबाकू हटाओ जीवन बचाओ, तंबाकू का धुआं है मौत का कुंआ, बीड़ी पीकर खांस रहा है, मौत के सामने नाच रहा है जैसे तंबाकू विरोधी नारे लगाए। डा. एके आहूजा ने कहा कि तंबाकू मीठा जहर है जो व्यक्ति के शरीर को गला देता है। डा. रजनी यादव ने कहा कि बच्चे संकल्प लें कि वे इन वस्तुओं का सेवन नहीं करेंगें। सीमा यादव, राज पचौरी, राजेश गुप्ता,डा. आरपी गुप्ता ने भी तंबाकू का सेवन न करने का आह्वान किया। ड्यूपी वाहिनी एनसीसी शिकोहाबाद के सीनियर और जूनियर डिवीज़न के एनसीसी केडिट्स ने कमान अधिकारी कर्नल एनके शर्मा के निर्देशन में रैली निकाली। इस अवसर पर एनसीसी कैडिटस ने तंबाकू सिगरेट से कैंसर जैसी होने वाली भयकर बीमारियों के बारे में बताया एवं नौजवानों को इस आदत को छोड़ने की सलाह दी। इस अवसर पर कैडिट्स ने शपथ ली कि समाज में तंबाकू से होने वाले कष्टों को भिन्न-भिन्न गलियों में नुक्कड़ तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही रोचक तरीके से समझाएंगे। रैली में कार्यवाहक सूबेदार मेजर अमरपाल सिंह, नायब सूबेदार प्रताप सिंह, हवलदार योगेंद्र सिंह व मेनपाल सिंह आदि मौजूद थे।

जागरूकता: विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली गई रैली।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर शिकोहाबाद में निकाली रैली

तम्बाकू सेवन से हर साल लाखों की होती है मौत

शिकोहाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर समाजसेवी संस्था पर्यावरण मित्र, कल्पतरू, स्कूली छात्र एवं नगर के प्रबुद्ध नागरिकों की सहभागिता से लेबर बस्तियों को तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के प्रति जन जागरूकता रैली निकाली गयी।

स्टेशन रोड स्थित सुभाष पार्क से हिन्द लैम्पस के कार्यकारी निदेशक एसपी नायगोंर ने हरी झण्डी दिखा कर रैली को रवाना किया। यह रैली पर्यावरण मित्र, हिन्द लैम्प्स, कल्पतरू, यंग स्कालर्स एकेडमी, ज्ञानदीप स्कूल, ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल आदि संगठनों के साथ मिल कर तम्बाकू, बीडी, सिगरेट, शराब से शहर को मुक्त कराने का संकल्प लेकर निकाली गयी थी। यंग स्कॉलर एकेडमी के बच्चे अपने निदेशक डॉ एके आहूजा एवं डा रजनी यादव के नेतृत्व में रैली का हिस्सा बने।

रैली नरायण तिराहा, बड़ा बाजार, रूकनपुर, कटरा बाजार से नरायण इण्टर कालेज के प्रांगण में समाप्त हुयी। रैली के मध्य बच्चों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा तम्बाकू हटाओ, जीवन बचाओ। तम्बाकू का धुंआ है मौत का कुंआ। बीडी पीकर खास रहा है, मौत के सामने नाच रहा है जैसे तम्बाकू विरोधी नारे लगाए। गार्डेनिया पब्लिक स्कूल की सीमा यादव, ब्लूमिंग बड्स के राजपचौरी, कल्पतरू के राजेश गुप्ता ने भी तम्बाकू विरोधी विचार व्यक्त किए। पर्यावरण मित्र की अध्यक्षा किरण बजाज ने रैली की सफलता के लिए शुभकामना दी। उन्होने प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती को प्रेषित ज्ञापन में लिखा है कि तम्बाकू के सेवन से प्रति वर्ष लाखों काल-कवलित हो जाते हैं। तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए। इस मौके पर एमआर सैनी, ओपी पांडेय, गोपाल, एसके पांडेय, डॉ एमए खान, जितेन्द्र चौहान, सुमेधा नयगांवकर, पीएस राना, पुष्पेन्द्र, अजय, रजत तायल, एचओ शर्मा, एमएम सिंह, पीएन शर्मा, शिवरतन, मेराज आदि का सहयोग रहा। आयोजन में शशिकान्त पाण्डेय का विशेष योगदान रहा।

तम्बाकू विरोधी रैली में भाग लेने पहुंचे बच्चों के हाथों में लगीं जागरुकता के नारे लिखीं तख्तियाँ। • हिन्दुस्तान

MEMORANDUM

To,
Honourable Chief Minister,
Uttar Pradesh.

Through: **The Collector,**
Firozabad (U. P.)

Subject : **Regarding Imposition of Absolute Ban on Tobacco in the State.**

Honourable Madam,

With reverent greetings!

As you are aware, every year lakhs of young people and others, using tobacco products, succumb to untimely death afflicted by cancer, diseases of lungs and other illnesses. This causes grave loss of money and men to the families and if the young people remain unhealthy and in the jaws of death, how shall India progress?

On the day of World Tobacco Prohibition Day (31 May), the institute Paryavaran Mitra, dedicated to the environment protection, and Kalpataru Institution dedicated to the human service as well as, other social and educational organizations makes an equivocal appeal to you issue an order to impose prohibition on production, sales and use of tobacco, so that our present and future generations could be saved from this evil.

It is being brought to your knowledge that, this has been absolutely banned in Bhutan and its users are subjected to imprisonment.

We all want that, under your leadership, Uttar Pradesh state should be the first to take action on this issue.

Hence, through the medium of this memorandum we modestly request you to give a considered thought to this and take trouble to impose strict ban/ prohibition.

Awaiting your reply,

Respectfully,

Kiran Bajaj
Chairperson

Rajesh Gupta
President

'Paryavaran Mitra' and 'Kalpataru' and others

Hind Lamps Complex, Shikohabad.
Phone : (05676) 234501-503
E-Mail: pmhoskb@yahoo.co.in • pmhoskb@gmail.com

Encl: Signed Memorandum

ज्ञापन

सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

द्वारा : **जिलाधिकारी,** फिरोजाबाद (उ.प्र.)

विषय : **प्रदेश में तम्बाकू पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के सम्बंध में।**

आदरणीय महोदया,

सादर नमस्कार !

आपको विदित ही है कि तम्बाकू के सेवन से प्रतिवर्ष लाखों युवा व अन्य कैंसर, फेफडों एवं अन्य बीमारियों से ग्रसित होकर असमय ही काल–कवलित हो जाते हैं। इससे परिवार को धन–जन की भयंकर हानि पहुँचती है और **ज़ब युवा वर्ग इस तरह से अस्वस्थ और काल–कवलित होगा तो भारत की उन्नति कैसे होगी ?**

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (३१ मई) के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को समर्पित संस्था **पर्यावरण मित्र** एवं मानवीय सेवा को समर्पित संस्था **कल्पतरु** तथा विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों का एक स्वर में आपसे निवेदन है कि **तम्बाकू के उत्पादन, बिक्री एवं सेवन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी हो जिससे हमारी वर्तमान एवं भावी पीढ़ी इस बुराई से बच सके।**

ज्ञातव्य है कि भूटान में इसे पूर्ण रूप से निषेध कर दिया गया है एवं इसका सेवन करने वालों को कारावास दे दिया जाता है। हम सभी चाहते हैं कि आपके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य इस कार्य के लिए सबसे पहले बीड़ा उठाए।

अत: इस हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन के माध्यम से सविनय प्रार्थना है कि इस सम्बन्ध में आप सम्यक विचार कर कड़ाई से प्रतिबंध/निषेध के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का कष्ट करें।

प्रतिउत्तर की प्रतीक्षा में,

विनीत

किरण बजाज
अध्यक्ष

राजेश गुप्ता
अध्यक्ष

'पर्यावरण मित्र' एवं **'कल्पतरु'** एवं **अन्य**
हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद
फोन : (०५६७६) २३४५०१–५०३
ई–मेल : pmhoskb@yahoo.co.in • pmhoskb@gmail.com

संलग्न: हस्ताक्षर प्रपत्र

तंबाकू का धुआं हैं मौत का कुंआ

शिकोहाबाद। पर्यावरण सरोकारों को समर्पित संस्था पर्यावरण मित्र एवं सामाजिक संस्था कल्पतरु सहित नगर के कई स्कूलों ने संयुक्त रूप से नगर को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए संकल्प लेते हुए तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशाल रैली निकाली। रैली सुबह छह बजे से नारायण तिराहा से शुरू हुई, जो नगर के प्रमुख बाजारों से होती हुई नारायण कालेज पर समाप्त हुई।

इस अवसर पर हिन्द लैम्प्स के कार्यकारी निदेशक एसपी नायॅगाकर ने पर्यावरण मित्र कार्यकर्ता एवं प्रबंधकगण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली रेलवे क्रासिंग, स्टेशन होती हुई सुभाष पार्क पर पहुंची जहां से कल्पतरू संसी के नेतृत्व में शिवा पर्यावरण कृषि

तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली गई रैली

एवं महिला उत्थान सोवा समिति, ब्लूमिंग बड्स स्कूल, यंग स्कॉलर एकेडमी और ज्ञानदीप के बच्चे स्कूल निदेशक डा.एके आहूजा एवं डा.रजनी यादव औ राज पचौरी के नेतृत्व में रैली का हिस्सा बने।नगर के नारयाण तिराहा से गुजरती हुई रैली में जोश से भरे बच्चे और कार्यकर्ता नारे लगा रहे बीड़ी पीकर खांस रहा है, मौत क। सामान नाच रहा। तम्बाकू का धुआं है, मौत का कुआॅ। तम्बाकू हटाओ जीवन बचाओ जैसे तम्बाकू विरोधी नारे लगाये जा रहे थे साथ ही विभिन्न स्लोगन लिखी पट्टी हाथ में लिए चल रहे थे।इस अवसर पर डा.एके आहूजा ने कहा कि हमें एक-एक परिवार को तंबाकू मुक्त करना होगा। यह एक मीठा जहर है जो इंसान के शरीर को गला देता है। वहीं गार्डेनिया पब्लिक स्कूल की डा. सीमा यादव ने कहा है कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए इन्हें संस्कारवान बनाते हुए नशा मुक्त रखने की सलाह देना स्कूल संचालकों का प्रथम कर्तव्य है। इसलिए हमें अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए भावी भविष्य को इससे होने वाली बीमारियों से सावधान रखना होगा। तभी हम एक अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकतें है। डा.रजनी यादव ने कहा है कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इन्हें संकल्प लेना होगा कि वे न तो स्वयं इसका सेवन करेंगे और नही अपने परिवार में किसी को इसका सेवन करने देंगे। ब्लूमिंग बड्स विद्यालय के प्रबंधक राज पचौरी ने कहा है कि तंबाकू के खिलाफ रैलियों का आयोजन कर युवाओं को जागरूक करते रहने चाहिए जिससे इनका भविष्य खराब न हो। इस अवसर पर एमआर सैनी, डा. ओपी पाण्डेय, रजत तायल, एचओ शर्मा, एमएम सिंह, पीएन शर्मा, अखिल गर्ग, खण्डेलवाल, आरपी गुप्ता, संजय गुप्ता, पुष्कर तिवारी, राजेश गुप्ता, पीएस राना आदि ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के आयोजन में पर्यावरण मित्र के संयोजक शशिकांत पांडे और कल्पतरु के जिलाध्यक्ष का रैली में विशेष योगदान रहा। पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने रैली की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

जनजागरण रैली निकाली

तम्बाकू निषेध दिवस

- गणमान्य लोगों के साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थानों ने लिया हिस्सा

शिकोहाबाद (फीरोजाबाद) निज प्रतिनिधि: शहर को तंबाकू, सिगरेट व शराब मुक्त बनाने के लिए पर्यावरण मित्र, हिंद लैंपस, कल्पतरू, ज्ञान दीप, यंग स्कालर्स एकेडमी, ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल तथा गार्डेनिया पब्लिक स्कूल ने शहर की तमाम सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर प्रभात फेरी निकाल तंबाकू मुक्त बनाने का भी संकल्प लिया।

31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हिंद परिसर से हिंद लैम्प्स के कार्यकारी निदेशक एपी नायगांकर ने हरी झंडी दिखा रैली को रवाना किया। रेलवे क्रासिंग, स्टेशन होती हुई सुभाष पार्क पंहुची। जहां कल्पतरू संस्था के नेतृत्व मे शिवा पर्यावरण कृषि एवं महिला उत्थान सेवा समिति, यंग स्कालर्स के छात्र भी रैली का हिस्सा बन गए। निदेशक डा.एके आहूजा एवं डा.रजनी यादव के नेतृत्व मे बच्चों ने रैली में सहयोग किया।

नारायण तिराहा, बडा बाजार, स्कनपुर होती हुई कटरा बाजार से नारायण इंटर कालेज के प्रांगण में समाप्त हुयी। रैली के मध्य बच्चों एवं कार्यकर्ताओं ने तंबाकू हटाओ जीवन बचाओ, तंबाकू का धुआं मौत का कुआं, बीडी पीकर खांस रहा मौत के सामने नाच रहा आदि तंबाकू विरोधी नारे लगाये। पर्यावरण मित्र अध्यक्षा किरण बजाज ने रैली सफलता के लिए शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर पर्यावरण मित्र एवं शहर की समस्त सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं ने उप्र शासन से तंबाकू व गुटखों की बिक्री एवं सेवन पर प्रतिबंध लगाने की अपील की। जिससे भावी युवा पीढ़ी बुराई से बच सके। भूटान की तर्ज पर तंबाकू को निषेध करने की मांग उठाई। इस अवसर पर डा.रजनी यादव, डा. एके आहूजा, राजेश गुप्ता, राज पचौरी, सीमा यादव आदि लोगों ने विचार व्यक्त किये। हिंद लैम्प्स के एमआर सैनी, डा. ओपी पाण्डे, रजत तायल, गोपाल गुरंग, एसके पाण्डे, श्रीमती सुमेधा नयगांवकर, डा एमए खान आदि लोब उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन मे पर्यावरण मित्र के संयोजक शशिकांत पाण्डे व कल्पतरू जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता का मुख्य योगदान रहा।

तम्बाकू निषेध दिवस पर रैली निकलते हुए पर्यावरण मित्र एवं सामाजिक कार्यकर्ता।

तम्बाकू विरोधी दिवस पर निकाली भव्य रैली

- संगोष्ठी में डॉक्टरों ने होने वाली बीमारियों से किया सचेत

शिकोहाबाद। नगर में स्कूली छात्र-छात्राओं ने तंबाकू निषेद्य दिवस के उपलक्ष में रेली निकाल कर जन जागरण किया। रेली नरायन डिग्री कालेज में पहुंच कर संगोष्ठी में परिवर्तित हो गयी। जहां डाक्टरों ने तम्बाखू चबाने से होने वाली विभिन्न बीमारियों के प्रति सचेत करते हुए इससे बचाव के तरीके बताए तथा तंबाखू के प्रयोग को छोड़ने का संकल्प दिलाया।

पर्यावरण मित्र एवं कल्पतरू संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्टेशन रोड स्थित सुभाष पार्क से रेली का शुभारंभ हुआ। रेली को डाक्टर रजनी यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेली बड़ा बाजार, कटरा बाजार, पक्का तालाब, तहसील चौराहा होती हुयी नरायन डिग्री कालेज पर पहुंच कर संपन्न हुयी। रेली में यंग स्कोलर एकेडमी, ब्लू बर्डस पब्लिक स्कूल, ज्ञानदीप सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं, एनसीसी, स्काउड गाइड के सदस्यों एवं चिकित्सकों ने भाग लिया। रेली में हाथों में लिये तंबाखू विरोधी नारों की पट्टिकाओं को लेकर बच्चे चल रहे थ तथा जनता को तंबाखू से होने वाली बीमारियों से बचाव का संदेश देते चल रहे थे। कालेज में पहुंची रेली संगोष्ठी में परिवर्तित हो गयी। संगोष्ठी में वक्ताओं ने तंबाखू निषेद्य दिवस पर होने वाली बीमारियों पर ध्यानाकर्षित करते हुए कहाकि तंबाखू चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तंबाखू से प्रतिवर्ष हजारों की तादाद में कैंसर हो रहा है। जो मौत का कारण बन रहा है। इसके अलावा आंतों, फैंफड़ों, सुगर, किडनी आदि की बीमारियां जन्म लेती हैं। लोगों को इसके सेवन पर प्रतिबंध लगाकर भविष्य में होने वाली बीमारियों से बचने का रास्ता बनाना चाहिए। वक्ताओं ने उपस्थित लोंगों से तंबाखू के सेवन को आज से ही छोड़ने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर डाक्टर ए के आहूजा, डाक्टर रजनी यादव, डाक्टर पी एस राना, सुभाष चंद्र उपाध्याय, राजेश पचौरी आदि ने विचार व्यक्त किये।

विशेष दिवस

Earth Day

Earth Day -22 April 2011, was celebrated in association with Central Railways Authorities. Awareness campaign about the waste management and energy saving were displayed at the stall at Reay Road Railway Station, Mumbai.

This attempt brought a powerful impact on more than 1500 commuters who visited the stall.

पृथ्वी दिवस

पृथ्वी दिवस – २२ अप्रैल, २०११ को सेन्ट्रल रेलवेज़ अथॉरिटीज़ के साथ मनाया गया. कचरे के प्रबंधन एवं ऊर्जा की बचत के बारे में जागरूकता अभियान रे रोड रेलवे स्टेशन, मुंबई के स्टॉल पर प्रदर्शित किया गया.

स्टॉल पर आने वाले १५०० से ज़्यादा आगंतुकों पर इस प्रयास का गहरा असर हुआ.

Holi

Holi is a festival of joy and gaiety. It signifies the victory of truth and devotion over evil. In Indian mythology, it is victory of the eternal devotee Prahlad who stands the test of truth. His devotion for Lord Vishnu triumphs over the evil scheming of his father Hiranyakashya and his aunt Holika. This is a festival to sprinkle the colours of love, and not allow for toxicity of chemical colours. Nor is it the time to burn precious wood and produce extra amount of carbon dioxide. The celebration of Holi should remain a symbolic expression.

होली

होली का पर्व आनन्द का त्योहार है। सत्य और भक्ति की विजय, असत्य और बुराई का पतन। अन्तर्यामी के समक्ष सांसारिक महान शक्तिशाली हिरण्यकश्यप और होलिका की चाल नहीं चलती और असहाय और निर्बल लगने वाले भक्त प्रहलाद प्रचण्ड अग्नि में से हँसते हुये निकल आते हैं। होली का समय भक्त प्रहलाद की भक्ति के उल्लास का समय है। उनको याद कर प्रेम के रंग बिखेरने का समय है, रासायनिक रंग नहीं। लकड़ी जलाकर होली जलाने से कार्बन–डाईआक्साइड पैदा होता है और लकड़ियों की बरबादी होती है, इसको प्रतिकात्मक रूप से ही पूजा करनी चाहिए। आपसी मतभेद मिटाकर देशद्रोहियों और भ्रष्टाचारियों के मुंह में कालिख लगाने का समय है।

''हे फूलों की रानी, हे फसलों की रानी; हे मृदु और सर्वशक्तिमान माता; हे धरती!
ये तेरे ही दुग्धपूरित वृक्ष हैं, जिन पर हम पलते हैं; ये तेरी ही कोख है,
जहां से हमारी समृद्धि पैदा होती है.''

– सरोजिनी नायडू

World Water Day

The Chairperson of Paryavaran Mitra, Smt. Kiran Bajaj explained to the women present, that every year, 22 March is being celebrated as Water Day. We are aware that, 'everything is futile without water', despite that, wasting water and polluting pure water has become fun actually. Every individual must see and understand how water must be conserved and prevent it from getting polluted. This is the least we could do :

1. Do not soil taps, wells, lakes and rivers.
2. Do not meddle with public water distribution.
3. Dispersal should only be done at a proper place.
4. Do not waste a single drop of water. Close the tap fully after using it.
5. Adhere to all the regulations of water pollution.

By the year, 2021 water will be completely exhausted from India. Just think, how we shall be able to live then. She told women that, we can save water in doing our daily chores like washing utensils, clothes.

On this occasion, the children and women of the colony suggested ways to save water - take water in bucket to have bath. While brushing teeth or shaving, tap should not be left open. Water should be used from a filled mug. For washing your vehicles do not use drinking water, but wipe your vehicles using a wet cloth.

The children recited poems. A little girl, Mayuri recited, "Save water, save water - if water is wasted, the life too will be wasted. Save water, save water". Similarly, Anandita, Sourya Gurung, Ujjwal, Manav, Subri, Sonali, Abhishek, Sunita Gurung, Meera Yadav, Rekha Sharma, too expressed their views.

On the occasion, two children, Vishal Yadav and Satyam explained usefulness of water through charts. All those expressed their views in the programme were awarded by the Chairperson.

विश्व जल दिवस

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि विश्वभर में प्रतिवर्ष २२ मार्च को जल दिवस मनाया जाता है। हमें विदित है कि 'रहिमन पानी राखिऐ, बिन पानी सब सून', फिर भी पीने के पानी की बर्बादी और शुद्ध पानी को दूषित करना हमारा शगल बन गया है। प्रत्येक व्यक्ति को अब देखना और समझना है कि कैसे पानी को बचायें और उसे दूषित होने से रोकें। इतना तो हम कर ही सकते हैं कि –

१. नलों–कुओं–तालाबों–नदियों में गंदगी न करें।
२. सार्वजनिक जल वितरण के साथ छेड़छाड़ न करें।
३. विसर्जन नियत स्थान पर ही करें।
४. पानी की एक भी बूंद बर्बाद न करें। प्रयोग के बाद नल पूरा बन्द करें।
५. जल प्रदूषण संबंधी सभी कानूनों का पालन करें।

वर्ष २०२१ तक भारत से पानी पूरी तरह खत्म हो जायेगा ; तब सोचिये हम किस तरह रहेंगे। उन्होंने महिलाओं से कहा कि हम बर्तन, कपड़ा धोने व अन्य दैनिक कार्यों में पानी बचा सकते हैं।

इस अवसर पर कालोनी के बच्चों व महिलाओं ने भी पानी बचाने से सम्बन्धित अपने सुझाव बताये – बाल्टी में पानी भर कर नहायें। सवेरे ब्रश करते समय व दाढ़ी बनाते समय नल खुला न छोड़ें। मग में पानी भर कर प्रयोग करें। गाड़ी को धोने के लिए पीने के पानी का प्रयोग न करें बल्कि कपड़े को गीलाकर गाड़ी को पोछें।

बच्चों ने कवितायें भी सुनायी। छोटी बच्ची मयुरी ने, पानी बचाओ रे, पानी बचाओ रे, पानी की जो करे बर्बादी जीवन हुआ बर्बाद रे ; पानी बचाओ रे, कविता पढ़ी। इसी प्रकार अनंदिता, सौर्य गुरंग, उज्जवल, मानव, सुबी, सोनाली, अभिषेक, सुनीता गुरुंग, मीरा यादव, रेखा शर्मा ने भी अपनी–अपनी बातें कही।

इस अवसर पर दो बच्चों विशाल यादव व सत्यम ने चार्ट बनाकर पानी की उपयोगिता बतायी। कार्यक्रम में अपने विचार रखने वालों सभी लोगों को अध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत किया गया।

Save Water

by Mayuri Yadav (Age 10 years)

Save water, save life.
if water is wasted, life will be wasted.
Save water, save life.

What is more valuable than water
exists in this world, tell me, Save water, save life.

Water is a gift given by god, Life is due to only to water,
Without water everything else is futile,
It's time to realise worth of water,
Stop wasting water now, Water is just life.

What's in world without water,
nothing but just deadly silence,
if death is not dear to you,
Save Water, Save Life.

पानी बचाओ

– मयूरी यादव (आयु १० वर्ष)

मयूरी यादव, पानी बचाओ रे, जीवन बचाओ रे।
पानी की करी जो बर्बादी, जीवन हुआ बर्बाद रे।
पानी बचाओ रे, जीवन बचाओ रे।

अरे पानी जैसी अनमोल चीज, दुनिया में और क्या है।
पानी बचाओ रे, जीवन बचाओ रे।

पानी तो भगवान का दिया हुआ उपहार है।
पानी से ही तो जीवन है। पानी बिना तो कुछ भी नहीं है।
अब तो समझो पानी का मोल रे।
अरे बन्द करो पानी की बर्बादी, पानी ही तो जीवन है।

पानी बिना है क्या दुनिया में। है तो वह बस मौत है।
मौत न प्यारी हो तुझको तो, पानी बचालो रे, जीवन बचालो रे।

Organised Effort to Make Shikohabad Green, Free of Polythene and filth

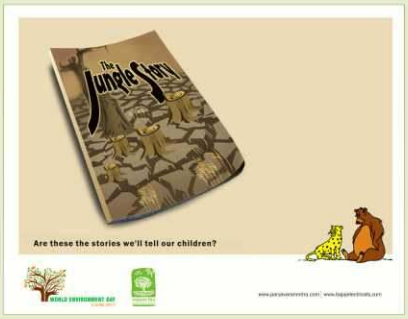

On 05 June 2011, at the World Environment Day event, Dr. Pankaj Mishra Regional Forest Director, Ferozabad, said, "We organise programmes about environment and then forget about the cause. We must celebrate Environment Day for all 365 days.

Many present expressed their views such as:

1. Litter should be directed at litter boxes and not on the roads. These should be emptied everyday by the garbage trucks.
2. Vehicles must run on the roads and the footpaths must be strictly kept free for public. This should be coordinated with the help of the government and police.
3. Strict ban on defecating, urinating and spitting in public places.
4. Smoking must be banned in all institutions and public places.
5. A campaign must be organised on not throwing garbage in the gutters. The gutters are only meant for dirty water and rain water.
6. Strict imposition of ban on plastic bags from the government and organisations
7. Polythene is absolutely banned in Chandigarh and this move has achieved success. Similar steps to be adopted by all states.

पॉलीथीन एवं गन्दगीमुक्त तथा हरित शिकोहाबाद के लिए समन्वित प्रयास

५ जून २०११ को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रभागीय वन निदेशक, फिरोजाबाद, डॉ. पंकज मिश्रा ने कहा कि ''हम कार्यक्रम का आयोजन करते हैं पर बाहर जाकर भूल जाते हैं। पर्यावरण दिवस ३६५ दिन मनाया जाना चाहिए। प्लास्टिक की थैलियों में हम कूड़ा फेंकते हैं जिसे जानवर, गाय आदि खाकर मर जाते हैं जिससे गो हत्या का पाप लगता है।''

गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखते हुये कहा कि:

आज का मुद्दा है गन्दगी और पॉलीथीन; दोनों ही बीमारी का घर हैं। समझना यह है कि गन्दगी किस–किस प्रकार की होती है और उसका कैसे निवारण करें। उदाहरण के लिए –

१. शहर में सड़कों पर कोई भी कुछ भी फेंकता है – उसके लिए सबको कूड़ेदानों में कचरा डालने के लिए समझाया जाय ; फिर प्रतिदिन कूड़ा उठवाया जाय और कूड़ादान साफ कराया जाय।

२. सड़कों पर सिर्फ वाहन चलने चाहिए और अगल–बगल की जक्षह पैदल चलने वालों के लिए (फुटपाथ) होती है – वह सरकार और पुलिस की सहायता से खाली रखनी चाहिए।

३. कहीं भी शौच, मूत्र विसर्जन और थूकने पर कड़ी पाबंदी लगनी चाहिए।

४. संस्थाओं और सार्वजनिक जगहों में धूमपान का सख्ती से निषेध होना चाहिए।

५. नालियों में कूड़ा न डालें उस पर मुहिम चलानी चाहिए। नालियाँ सिर्फ गन्दे पानी और बारिश के पानी के निस्तारण के लिए होती हैं; उसमें गन्दगी और प्लास्टिक नहीं फेंकना चाहिए ; उस पर कड़ी पाबन्दी हो।

६. प्लास्टिक की थैलियाँ बिकनी ही नहीं चाहिए। उस पर सरकार और संस्थाओं का कड़ा प्रबन्ध हो। उसकी कार्रवाई करनी चाहिए।

७. चंडीगढ़ में पॉलीथीन का प्रयोग पूर्णत: प्रतिबन्धित है और यह

The chief guest, Dr. Pankaj Mishra, D.F.O. (Regional Forest Director), Ferozabad expressing his views in the programme.
कार्यक्रम में अपने विचार रखते मुख्य अतिथि डी. एफ. ओ. (प्रभागीय वन निदेशक), फिरोजाबाद डा. पंकज मिश्रा।

Prabha Singh, reading out the message of the Chairperson.
अध्यक्ष का संदेश पढ़ती प्रभा सिंह।

Dr. A. K. Ahuja said that, "We must all think that, neither my family nor I will use polythene, and convince at least one individual to refrain from using polythene."

Chairman of the Municipality, Raghuvar Dayal Gupta said, "If we stop accepting polythene, its usage will be curtailed.

सफल भी हुआ है। इसी प्रकार सभी प्रदेशों की राज्य सरकार इस पर प्रतिबन्ध लगाये तो आसानी से पॉलीथीन को दूर किया जा सकता है।

डॉ. ए. के. आहूजा ने कहा कि ''हमें यह सोचना चाहिए कि हम या हमारा परिवार तो पॉलीथीन का प्रयोग नहीं करेंगे ; साथ ही कम से कम एक आदमी को पॉलीथीन न प्रयोग करने के लिए समझायेंगे।''

नगर पालिका अध्यक्ष रघुवर दयाल गुप्ता ने कहा कि यदि ''हम स्वयं पॉलीथीन लेना बन्द कर दें तो उसका प्रयोग स्वयं बन्द हो जाएगा।

'Bajaj PUC Day' Observed

Encouraged by the response of the Anti-Tobacco Drive, yet another environment friendly initiative was undertaken to further the objectives of "Paryavaran Mitra"- observance of "Bajaj PUC Day"(20th June, 2011).

Vehicular traffic in our cities is hurting the environment by adding to the greenhouse effect, damaging air quality and depleting the ozone layer. Some of the adverse impacts on health include Respiratory Diseases, Cancer-Benzene (linked to leukaemia), Anaemia among many others. Exposure to lead can impair mental function, causing problems with learning and memory.

We are aware that it is mandatory for every automobile to have a PUC check every 6 months failing to do so will attract punitive action.

As such, it was decided that each member of the Bajaj Electricals family all over the country will participate in the "Bajaj PUC Day" event to demonstrate our collective responsibility towards controlling environmental pollution.

Every vehicle owner was required to show the "Pollution Under Control" ("PUC") certificate of the personal or official vehicle to "Paryavaran Mitra" team failing which he would invite a token penalty. A valid certificate was rewarded with a surprise gift.

Those who did not possess a vehicle could also participate by taking part in a quiz on the theme. Then by location, top three employees at each location were awarded with prizes.

'बजाज पीयूसी दिवस' का आयोजन

तम्बाकू रोधी अभियान की शानदार प्रतिक्रिया से प्रोत्साहित होकर पर्यावरण मित्र के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए ''बजाज पीयूसी दिवस'' (२० जून २०११) के रूप में एक और पर्यावरण मित्र पहल की गई।

हमारे शहरों में तेज़ी से विकराल बनते वाहनों के यातायात से ग्रीनहाउस प्रभाव में वृद्धि, हवा की गुणवत्ता को क्षति एवं ओज़ोन परत के क्षय के रूप में पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है. इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुछ प्रतिकूल प्रभावों में हैं श्वसन संबंधी बीमारियां, कैन्सर–बैन्ज़ीन (ल्युकेमिया से संबधित), एनिमिया आदि. लेड (सीसा) के संपर्क में आने से मानसिक गतिविधि प्रभावित हो सकती है, जिससे सीखने और याद रखने में समस्याएं आ सकती हैं।

यह तो हम सभी जानते हैं कि हर वाहन के लिए प्रत्येक ६ माह में पीयूसी जांच करवाना अनिवार्य है. ऐसा न करने पर दण्डात्मक कार्यवाही भी हो सकती है।

इसलिए यह तय किया गया कि देशभर में मौजूद बजाज इलेक्ट्रिकल्स परिवार का हर सदस्य ''बजाज पीयूसी दिवस'' में हिस्सा लेगा और पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण की दिशा में हमारी सामुहिक ज़िम्मेदारी प्रदर्शित करेगा।

इसमें हर वाहन मालिक के लिए आवश्यक था कि वह पर्यावरण मित्र टीम को अपने व्यक्तिगत या आधिकारिक वाहन का पॉल्युशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) प्रमाणपत्र दिखाए और ऐसा न कर पाने पर उस पर टोकन पैनल्टी लगाई जा सकती है. इसके प्रतिभागियों के लिए सरप्राइज़ गिफ़्ट भी थे. इस पहल में प्रतिभागिता करने वाले के लिए आश्चर्यजनक पुरस्कार भी थे।

जिन लोगों के पास वाहन नहीं हैं, वे भी इस थीम पर आयोजित क्विज़ में हिस्सा लेकर प्रतिभागी बन सकते थे. हर स्थल के सर्वोच्च स्थान पर रहने वाले तीन कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

The generous friends of Environment:
Paryavaran Mitra gratefully acknowledge the donations made by :

- Jamnalal Bajaj Foundation, Mumbai
- Shri Purushottam Jankalyan Nidhi Trust, Kolkata
- Indian School of Business, Hyderabad

(All donations to Paryavaran Mitra are exempted under 80G)

पर्यावरण के उदार मित्र:
पर्यावरण मित्र निम्नांकित दानदाताओं द्वारा दिए गए दान के लिए आभारी है :

- जमनालाल बजाज फाउंडेशन, मुंबई
- श्री पुरुषोत्तम जनकल्याण निधि ट्रस्ट, कोलकाता
- इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस, हैदराबाद

(पर्यावरण मित्र को किए गए समस्त दान धारा ८०जी के अंतर्गत छूट के योग्य हैं)

"Bajaj Band of Solidarity" Contest

The response through participation in the "Bajaj PUC Day" was quite thrilling. As such, Paryavaran Mitra encouraged the employees with their families and friends to participate in an Eco - Friendly Raksha Bandhan by tying a "Bajaj Band of Solidarity" to a Tree or Trees they wished to protect.

For participation in this event, three actions were solicited:

1. Prepare a "Rakhi" with Eco Friendly material (more creative and bigger the better.)
2. Identify tree/trees in neighbourhood and tie this "Rakhi" to that tree there by committing to protect it.
3. Take one picture of the "Rakhi" created and another of the family standing next to the tree.

The participants could upload the pictures with a write up of material used for making the "Rakhi", location of the tree and feelings of the family while participating in this event.

Best three "Rakhi's" and the Head of The Department generating maximum entries were entitled to attractive prizes.

''बजाज बैंड ऑफ़ सॉलिडेरिटी'' कॉन्टेस्ट

''बजाज पीयूसी दिवस'' का प्रतिसाद ज़बरदस्त रहा. इसलिए पर्यावरण मित्र ने कर्मचारियों को उनके परिवारों और मित्रों के साथ एक ईको फ्रैंडली रक्षा बंधन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें वृक्षों को ''बजाज बैंड ऑफ़ सॉलिडेरिटी'' बांधा गया, जिसमें उनकी रक्षा का वचन निहित था.

इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए तीन काम किए जाने थे :

१. पर्यावरण मित्र सामग्री (अधिक रचनात्मक एवं जितनी बड़ी उतनी अच्छी) से ''राखी'' तैयार करना.

२. अपने आस-पड़ौस में वृक्ष देखना और उसे सुरक्षा का वचन देते हुए राखी बांधना.

३. बनाई गई राखी का एक चित्र लेना और एक फोटो पेड़ के आगे खड़े अपने परिवार का लेना.

प्रतिभागी इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए ''राखी'' बनाने में प्रयुक्त सामग्री, वृक्ष का स्थान और इस बारे में परिवार की भावनाओं पर एक लेख के साथ चित्र को अपलोड भी कर सकते हैं.

सर्वोत्तम तीन राखियाँ और सर्वाधिक प्रविष्टियां भिजवाने वाले हेड ऑफ़ द डिपार्टमेंट (एचओडी) के लिए आकर्षक पुरस्कार भी थे.

A Saint and a friend of Environment

Purushottam Lalji Dhanuka (83), left for heavenly abode (28 July 2011) in Vrindavan. He was Life Member of Paryavaran Mitra right from it's inception.

Immersed in the Indian culture, Purushottamji Dhanuka had profound affection for 'Vrinda-Van'- Sanskrit for 'garden' and 'forest'. In fact, the most beautiful and vivid presentation of our Vedic culture is available in 'Aranyaks'. 'Aranyaks' are propitious treatises written by the sages in the precincts of their ashrams located amidst serene and divine environs of forests.

The bungalow of Dhanukaji, situated at Raman Reti, was no less than an ashram. Being a centre of holy congregations, internal environment was pleasant due to the grace of saints and sages, while the greenery outside enhanced the internal splendour. Cows had a sole occupation of the front lawns and the trees in the vcicinity were captured by the monkeys and birds. As the saying goes, "Entire land mass belongs to Gopal, the lands should be spruced up the way Gopal is bedecked. The graceful beauty of nature was an expression of Divine words for Dhanukaji. The trees, plants, animals and birds were all members of his family. Environment had given him completeness. He was not only a friend of environment, but its lover.

एक संत व पर्यावरण के मित्र

पुरुषोत्तम लालजी धानुका (८३ वर्ष) वृन्दावन में २८ जुलाई २०११ को पंचवत्व में विलीन हो गये. वे पर्यावरण मित्र के स्थापना के समय से ही आजीवन सदस्य थे.

भारतीय संस्कृति में रमे हुए पुरुषोत्तम जी धानुका को 'वृन्दा–वन' से बहुत प्रेम था। वृन्दावन का आधार ही वन उपवन मधुवन है। सच पूछिए तो हमारी वैदिक संस्कृति का सबसे सुन्दर और महान रूप आरण्यको में मिलता है। आरण्यक वे पवित्र ग्रन्थ हैं जिन्हें ऋषियों ने अरण्य में, वन में स्थित अपने आश्रमों के शान्त पावन और दिव्य वातावरण में रचा था ।

रमण रेती स्थित धानुका जी का बंगला किसी आश्रम से कम नहीं था। सत्संग का केन्द्र होने के कारण सन्तों–महात्माओं की कृपा से आन्तरिक पर्यावरण तो आनन्दमय रहता ही था बाहरी हरियाली भी भीतरी सौन्दर्य को बढ़ाती रहती थी। पेड़ों पर बन्दरों और पक्षियों का तो लॉन की घास पर गायों का एकाधिकार जैसा था। कहते हैं – ''सर्वे भूमि गोपाल की।'' तो भूमि का वही श्रृंगार हो जो गोपाल का होता है। प्रकृति की सुन्दरता धानुका जी के लिए ईश्वरीय वाणी थी। पेड़–पौधे पशु–पक्षी सब उनके परिवार के सदस्य थे। पर्यावरण ने उन्हें पूर्णता दी थी। वे पर्यावरण मित्र ही नहीं पर्यावरण प्रेमी भी थे ।

A Vipin (green belt) has been dedicated in the fond memory of Purushottam Lalji Dhanuka, in Hind Parisar, Shikohabad.

हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद में एक विपिन पुरुषोत्तम लालजी धानुका के स्मृति को समर्पित किया गया है।

Paryavaran Mitra - Introduction

Continuous degradation of the environment has caused large scale damage, deterioration of physical and mental health, global warming, floods, droughts.

In order to make some efforts to minimize these an NGO - Paryavaran Mitra - was constituted as a society on the 24th September 2004. It has it's headquarters at Shikohabad in Uttar Pradesh.

Our Objective :

Our main objective is to prevent air, water, land and sound pollution. So that we offer a better world to live in for our present and future generations.

पर्यावरण मित्र : परिचय

पर्यावरण में हो रही निरंतर गिरावट से बड़ी संख्या में लोगों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य गिर रहा है, विश्व का तापमान बढ़ रहा है, बाढ़–सूखा आदि का प्रकोप फैल रहा है. इन्हीं कारणों को ध्यान में रखकर ''पर्यावरण मित्र'' का गठन एक गैर सरकारी स्वयंसेवी संस्था के रूप में २४ सितम्बर २००४ को किया गया. इसका मुख्यालय पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद नगर में है.

हमारा उद्देश्य :

हमारा प्रमुख उद्देश्य वायु, जल, भूमि तथा ध्वनि के प्रदूषण को रोकना है ताकि हम अपनी वर्तमान तथा भावी पीढ़ी को एक बेहतर धरती सौंप सकें.

Paryavaran Mitra

पर्यावरण मित्र

Green Movement:
- Tree Plantation
- Development of small forests
- Green Belts
- Nursery Development - Indoor/Outdoor

Organic Farming:
- Organic Manure
- Organic Kitchen Garden
- Organic Agriculture
- Organic Fruit & Medicinal plants

Water Conservation:
- Rain Water Harvesting
- Water Purification
- ETP in factories
- Revival of ponds and water bodies

Cleanliness Drives

Training:
- To farmers and students
- Discussion & Interactions with School & College Students, Farmers and Doctors

Awareness Programme:
- Celebration of the important international environment days
- Wall writing
- Rallies and Seminars
- Street Plays and Drawing & Painting Contests
- Campaign against plastic, tobacco, noise pollution
- Exchange of information & Projects with other NGO's

हरित आंदोलन :
- वृक्षारोपण
- लघु वनों का विकास
- ग्रीन बेल्ट
- नर्सरी का विकास – घर के अंदर/ बाहर

जैविक खेती:
- जैविक खाद
- जैविक किचन गार्डन
- जैविक कृषि
- जैविक फल एवं औषधि पौधे

जल संरक्षण:
- वर्षा जल संचयन
- जल शुद्धिकरण
- कारखानों में ईटीपी
- तालाबों और जलाशयों का पुनरुद्धार

स्वच्छता अभियान

प्रशिक्षण :
- किसानों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण
- स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों, किसानों एवं डॉक्टरों से चर्चा एवं बातचीत

जागरूकता कार्यक्रम :
- महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाना
- वाल राइटिंग
- रैलियां और गोष्ठियां
- नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला प्रतियोगिताएं
- प्लास्टिक, तम्बाकू, ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध अभियान
- अन्य गैर–सरकारी संगठनों के साथ परियोजनाएं और सूचनाओं का आदान–प्रदान

Managing Committee :

Chairperson	: Kiran Bajaj
Secretary	: Devraj Gupta
Treasurer	: S. K. Pandey
Executive Committee	: Shekhar Bajaj, Mukul Upadhyaya, Asha Joshi, Dr. A. K. Ahuja, Dr. Rajni Yadav
Auditor	: Shikhar Sarin

संचालक समिति :

अध्यक्ष	: किरण बजाज
सचिव	: देवराज गुप्ता
कोषाध्यक्ष	: एस. के. पाण्डेय
कार्यसमिति सदस्य	: शेखर बजाज, मुकुल उपाध्याय, आशा जोशी, डॉ. ए. के. आहूजा, डॉ. रजनी यादव
लेखापरीक्षक	: शिखर सरीन

For suggestions and information:
Kiran Bajaj, Phone : 022-22182139, 22185933,
Fax : 022-22189075, E-Mail: ksb@bajajelectricals.com

अतिरिक्त सुझाव व जानकारी के लिए :
किरण बजाज, फोन : ०२२–२२१८२१३९, २२१८५९३३
फैक्स : ०२२–२२१८९०७५, ई–मेल : ksb@bajajelectricals.com

Contact :-

Mumbai : Kiran Bajaj, Asha Joshi and Praful Phadke
Bajaj Electricals Ltd., 51, M. G. Road, Mumbai - 400 001.
Mob.: 09821124658, 09920949434
Phone No.: 022-23765151, 22043733
E-Mail: Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com
Website: www.paryavaranmitra.org

Shikohabad : Shashikant Pandey, Abhishek Srivastav,
Hind Lamps Ltd., Shikohabad, Dist : Firozabad, 205141
Mob.: 09897595419, 9837700137
Phone No.: 05676-234018, FAX - 05676-234018, 234300.
E-Mail: pmhoskb@gmail.com, pmhoskb@yahoo.com

सम्पर्क :

मुम्बई : किरण बजाज, आशा जोशी, प्रफुल फडके,
बजाज इलैक्ट्रिकल्स लि., ५१ एम. जी. रोड, मुम्बई : ४००००१
मो.: ०९८२११२४६५८, ०९९२०९४९४३४
फोन नं.: ०२२–२३७६५१५१, २२०४३७३३
ई–मेल : Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com
वेब साइट : www.paryavaranmitra.org

शिकोहाबाद : शशिकान्त पाण्डेय, अभिषेक,
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला : फिरोजाबाद, २०५१४१
मो.: ०९८९७५९५४१९, ९८३७७००१३७
फोन नं.: ०५६७६–२३४०१८, फैक्स : ०५६७६–२३४०१८,२३४३००.
ई–मेल : pmhoskb@gmail.com, pmhoskb@yahoo.com